{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 17 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 354
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 74,336.45
निफ्टी - 23,217.60
सोना - 1,62,254
चांदी - 2,45,000
डॉलर - 95.92

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

शहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान स्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क यानी एसबीएन को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के विजन के तहत की गई है। मंत्रालय के अनुसार, नेटवर्क सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा युवाओं और छोटे अपराधों में शामिल लोगों को आतंकवाद की ओर धकेलने में शामिल रहा है। केंद्र का मानना है कि शाहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकवाद में शामिल रहा है और भारत में आतंकवादी गतिविधियों के विभिन्न मामलों में उसकी भागीदारी रही है।

रैपिडो पर लगाया गया 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। कंज्यूमर अथॉरिटी सीसीपीए ने रैपिडो पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अथॉरिटी ने देश भर के कैब और बाइक-टैक्सी सेक्टर की जांच की थी। इस दौरान पाया गया कि रैपिडो एप राइड बुकिंग के समय गलत तरीके अपना रहा था। कंपनी ग्राहकों से प्री-राइड टिपिंग यानी राइड शुरू होने से पहले टिप मांग रही थी। इसके अलावा डायनामिक प्राइसिंग से जुड़ी गड़बड़ियां भी मिलीं। कंपनी एप के डिजाइन से ऐसा माहौल बनाती थी, जिससे ग्राहक पर ज्यादा पैसे देने का दबाव बनता था। ग्राहक जब एप पर राइड बुक करता था, तो एप पहले एक तय किराया दिखाता था। बुकिंग प्रोसेस शुरू होते ही अलग-अलग मैसेज आने लगते थे। एप पर लिखा आता था- जितना ज्यादा किराया देंगे, राइड मिलने का चांस उतना ज्यादा होगा।

भारत में ऑनलाइन सट्टे का 10 लाख करोड़ का बाजार

नई दिल्ली। ऑनलाइन सट्टेबाजी पर कानून सख्त होने के बावजूद इसका बाजार खत्म नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में इसका अवैध बाजार करीब 10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। कानून से बचने के लिए प्लेटफॉर्म विदेश शिफ्ट किए गए हैं। सट्टेबाजी चलाने के लिए म्यूल बैंक खाते, टेलीग्राम समूह, नए डोमेन और विदेशी सर्वर का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 अवैध ऑनलाइन सट्टा प्लेटफॉर्म पर 540 करोड़ से ज्यादा विजिट दर्ज हुईं। यानी औसतन हर दिन करीब 1.48 करोड़ बार इन मंचों तक पहुंच बनाई गई। वहीं, 854 इन्फ्लुएंसर भी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के प्रचार में शामिल मिले। संसद ने 2025 में ऑनलाइन मनी गेम पर रोक लगाने वाला कानून पारित किया।

मोदी सरकार का फैसला

बेसिक सैलरी रू.25 हजार या कम, तो पीएफ जरूर कटेगा

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने विश्वकर्मा जयंती के मौके पर देश भर के औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह किया गया है। इस निर्णय से देश के लाखों कर्मचारियों को संगठित सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का सीधा लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा पीएफ नियमों के तहत वेतन की सीमा 15,000 रुपये थी, जो कि आखिरी बार सितंबर 2014 में संशोधित किया गया था। नई सीमा के लागू होने से करीब 51 लाख कर्मचारियों को लाभ होगा।जिनकी मासिक आय 15,000 से 25,000 रुपये के दायरे में आती है। केंद्र सरकार का अनुमान है कि इस विस्तार पर प्रति वर्ष लगभग 11,339 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जबकि अगले पांच वर्षों में यह आंकड़ा करीब 56,696 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 सितंबर को बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है। यह मांग लंबे समय से की जा रही थी और इस पर विभिन्न मंत्रालयों के बीच विस्तृत चर्चा हुई, जिसके बाद व्यय वित्त समिति ने इसकी सिफारिश की थी।

वेतन सीमा बढ़ने से कर्मचारियों को तीन प्रमुख लाभ मिलने है। पहला, उन्हें कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के तहत नियमित बचत का लाभ मिलेगा। दूसरा, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन सुरक्षा सुनिश्चित होगी। और तीसरा, कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत उन्हें बीमा सुरक्षा भी उपलब्ध होगी। यह कदम पेंशन योग्य वेतन और वैधानिक अंशदान व्यवस्था को वर्तमान वेतन स्तरों के अधिक अनुकूल बनाएगा।

केंद्र सरकार का मानना है कि औपचारिक रोजगार केवल वेतन तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके साथ सुनिश्चित और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा भी जुड़ी होनी चाहिए। यह नई व्यवस्था इसी सिद्धांत को और मजबूत करती है। यह फैसला केवल कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि नियोक्ताओं के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, जिससे प्रतिभाशाली कर्मचारियों को बनाए रखने में मदद मिलेगी और कार्यबल अधिक स्थिर एवं भविष्य के लिए तैयार बनेगा।

श्रम मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से कंपनियों और कर्मचारियों के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। वर्तमान में, ईपीएफओ दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है, जिसके तहत करीब 7.98 करोड़ सदस्य और 7.68 लाख से अधिक संस्थान जुड़ी हुई हैं, जबकि करीब 82 लाख पेंशनभोगियों को कर्मचारी पेंशन योजना के तहत लाभ मिल रहा है। मोदी सरकार का मानना है कि भारत की विकास यात्रा का केंद्र देश का कार्यबल है और बढ़ती आय, बेहतर रोजगार अवसरों के साथ सामाजिक सुरक्षा ढांचे का विस्तार आवश्यक है। ईपीएफओ वेतन सीमा को 25,000 रुपये तक बढ़ाने का यह निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम है।

बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने का नोटिस, चुनाव चिह्न पर भी संकट

टीएमसी के 10 बागी विधायकों को नोटिस जारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी उपचुनावों और नगर निकाय चुनावों से पहले एक बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। राज्य विधानसभा सचिवालय ने तृणमूल कांग्रेस के कम से कम 10 बागी विधायकों को नोटिस जारी किया है। इन विधायकों को अपनी सदस्यता गंवाने का खतरा है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की थी। यह मामला अब सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंच गया है।

नोटिस पाने वाले विधायकों में ऋतब्रत बनर्जी, अरूप रॉय, फिरहाद हकीम, संदीपन साहा, अखरुजमान अंसारी, शिउली साहा, सबीना यास्मीन, बिप्लब मित्रा, जावेद खान और रथिन घोष शामिल हैं। इन्हें 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करना होगा। विधायक अखरुजमान अंसारी ने कहा है कि वे इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर चर्चा करेंगे और समय पर उचित प्रतिक्रिया देंगे। इस संबंध में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने 7 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष रथिन बोस को पत्र लिखकर इन विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, जिसके बाद नगर निकाय चुनाव भी निर्धारित हैं। राजनीतिक हलकों में ऐसी अटकलें हैं कि इन चुनावों से पहले ही तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों में से असली कौन सा है, इस पर फैसला आ सकता है। इसी बीच, चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी को चुनाव चिह्न विवाद में अपना जवाब दाखिल करने के लिए 16 अक्टूबर का समय दिया है। आयोग ने पहले 16 और 17 सितंबर को सुनवाई बुलाई थी, लेकिन कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं हुआ। यदि आवश्यक हुआ, तो 17 सितंबर को आगे की सुनवाई हो सकती है, जिसके बाद आयोग इस विवाद पर अंतिम फैसला सुना सकता है। 12 सितंबर को चुनाव आयोग ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट से अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को कहा था। उस दौरान ममता बनर्जी के गुट के नेता डेरेक ओब्रायन, कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष और साकेत गोखले भी मौजूद थे। सियासी खींचतान के बीच, पार्टी के सांसदों में भी टूट की खबरें हैं। लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के पास पहले 27 सांसद थे, जिनकी संख्या अब घटकर केवल 7 रह गई है। बताया गया है कि पार्टी के 20 सांसदों ने नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया नामक एक छोटे दल में विलय कर लिया था।

पतंजलि घी को 'नकली' बताने पर पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह पर 50 करोड़ का मानहानि केस

लखनऊ। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने विवादित टिप्पणी को लेकर 50 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा दायर किया है। दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह ने सार्वजनिक मंच से पतंजलि के उत्पादों को लेकर सवाल उठाए थे और कंपनी के ब्रांड को लेकर भी आपत्ति जताई थी। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी हुई थी।

मामला अब मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय पहुंच गया है, जहां सुनवाई के दौरान अदालत ने सिंह को अपना पक्ष रखने का अवसर देते हुए अगली सुनवाई के लिए 18 सितंबर की तारीख तय की है। पूरा प्रकरण बृजभूषण शरण सिंह के वर्ष 2022 में दिए उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने पतंजलि के घी की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए लोगों से घर में गाय या भैंस पालने की अपील की थी। इस बयान के बाद भी बाबा रामदेव और सिंह के बीच सार्वजनिक रूप से विवाद सामने आया था। पतंजलि फूड्स की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता विक्रम मालवीय के अनुसार, बृजभूषण शरण सिंह की टिप्पणी से कंपनी की ब्रांड छवि को नुकसान पहुंचा। कंपनी की ओर से दावा किया गया है कि बयान सार्वजनिक रूप से प्रसारित होने के बाद उसके उत्पादों और प्रतिष्ठा को क्षति पहुंची तथा शेयर मूल्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ा, जिससे कंपनी को आर्थिक नुकसान हुआ। कंपनी ने इसी आधार पर जिला अदालत में 50 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा पेश किया था। मामले की शुरुआती सुनवाई के दौरान बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस जारी किए गए और बाद में मामला ट्रायल के चरण में पहुंचा।

समंदर में भारतीय जहाज को पाकिस्तानी पोत ने मारी टक्कर, तोड़ा 35 साला पुराना समझौता

भारत ने लगा दी पाकिस्तान को लताड़

नई दिल्ली। भारत ने समुद्र में अपनी नौसेना के एक पोत से पाकिस्तानी नौसैनिक इकाई की टक्कर पर पाकिस्तान को जबरदस्त लताड लगाकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। नई दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग के कार्यवाहक प्रमुख को विदेश मंत्रालय में तलब कर घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर आचरण करार दिया। भारत ने दो टूक कहा कि यह मामला केवल एक सामान्य समुद्री दुर्घटना मानकर नजरअंदाज करने वाला नहीं है।

यह घटना अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई, हालांकि इससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। फिर भी, भारत ने स्पष्ट कर दिया हैं कि पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण वर्ष 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिक गतिविधियों की अग्रिम सूचना संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 के सीधे विपरीत था। भारत की आपत्ति का सबसे अहम पहलू यही है कि सैन्य गतिविधियों में शामिल इकाइयों से केवल पेशेवर दक्षता ही नहीं, बल्कि स्थापित समझौतों और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के कठोर पालन की अपेक्षा होती है। समुद्र में दो देशों की सैन्य इकाइयों की मौजूदगी अपने आप में संवेदनशील होती है, और इसतरह की मामूली चूक भी गंभीर सुरक्षा संकट का कारण बनती है।

नई दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिक प्रतिनिधि को स्पष्ट संदेश दिया गया कि वह इस मामले को संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक पहुंचाएं और यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में इसतरह की घटनाएं फिर नहीं हो। भारत ने सैन्य इकाइयों को समुद्र में आवश्यक सावधानी बरतने और दोनों देशों के बीच लागू समझौतों का सम्मान करने की जरूरत पर जोर दिया है। इसके साथ, इस्लामाबाद स्थित भारतीय राजनयिक प्रतिनिधि को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी मुद्दे पर औपचारिक विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम तब आया है जब अरब सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। पाकिस्तान नौसेना ने सितंबर की शुरुआत में एक समुद्री युद्धाभ्यास शुरू किया था, जिसका उद्देश्य उसकी युद्धक तैयारी को परखना बताया गया था। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने ऐसी लापरवाही पर आपत्ति जाहिर की हो। वर्ष 2011 में भारतीय पोत गोदावरी के आसपास पाकिस्तानी नौसैनिक पोत बाबर द्वारा जोखिमपूर्ण गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया गया था, तब भी 1991 के इसी समझौते के अनुच्छेद 10 का हवाला दिया गया था।

कोलकाता में जमीन हड़पने के आरोप में अमित गांगुली गिरफ्तार

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में जमीन हड़पने और भूमि रिकॉर्ड में जालसाजी से जुड़े धनशोधन मामले में अमित गांगुली को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि गांगुली को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया। गांगुली पर फर्जी बोर्ड प्रस्तावों, जाली हस्ताक्षरों वाले बिक्री समझौतों और जाली दस्तावेजों के माध्यम से विभिन्न लोगों और संस्थाओं की संपत्तियों पर अवैध रूप से नियंत्रण करने का आरोप है। आरोप है कि वह भूमि रिकॉर्ड में हेरफेर करता था, झूठे या मनगढ़ंत दावों के आधार पर दीवानी मुकदमे दायर करता था, और भूस्वामियों को धमकाकर उनके कानूनी अधिकारों से वंचित करता था।

चर्च के आंतरिक मामले सुलझाने में प्रशासन न्यायाधिकरण की भूमिका नहीं निभा सकता-कोर्ट

शिलांग। मेघालय हाईकोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन किसी गिरजाघर के आंतरिक विवाद को सुलझाने के लिए धार्मिक न्यायाधिकरण की भूमिका नहीं निभा सकता। कोर्ट ने मावखर प्रेस्बिटेरियन गिरजाघर में पादरी संबंधी देखभाल और धार्मिक सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने वाले पूर्वी खासी हिल्स के उपायुक्त के आदेशों को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने गिरजाघर द्वारा दायर रिट याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कहा कि राज्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठा सकता है, लेकिन इन शक्तियों का इस्तेमाल अलग-अलग प्रेस्बिटेरियन धर्मसभाओं के परस्पर प्रतिस्पर्धी धार्मिक अधिकारों या उनके अधिकार क्षेत्र का निर्धारण करने के लिए नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एच एस थांगखीव ने कहा कि दो समूहों के बीच किसी विवाद का होना अपने आप में कार्यपालिका को किसी धार्मिक संप्रदाय के आंतरिक मामलों को नियंत्रित करने का असीमित अधिकार नहीं देता।

कुछ ना कहना

पीएम मोदी के स्कूल के साथी असगर को वापस मिली जमीन

शिकायत के बाद भाजपा विधायक ने कब्जा छोड़ने की कही बात, कंपनी ने कंस्ट्रक्शन परमिट सरेंडर किया

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड में रहने वाले 81 वर्षीय असगरअली वोहरा को लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद में राहत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के आठ दिन बाद भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने विवादित जमीन से कब्जा छोड़ने और निर्माण अनुमति सरेंडर करने की बात कही है। मेहता से जुड़ी कंपनियों में से एक ने भी मीरा-भायंदर नगर निगम को निर्माण अनुमति वापस करने का पत्र दिया है।

दरअसल असगर अली ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर जमीन विवाद में हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की मांग भी रखी थी। मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया। वोहरा का दावा है कि उन्होंने गुजरात के वडनगर स्थित बीएन स्कूल में प्रधानमंत्री मोदी के साथ पढ़ाई की थी। असगर अली के मुताबिक, वह करीब 15 वर्षों से जमीन से जुड़े विवाद को लेकर विभिन्न सरकारी विभागों के सामने अपनी शिकायत रखते रहे हैं। उनका आरोप है कि उनकी जानकारी के बिना कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और जमीन को दो कंपनियों के बीच बांट दिया गया। इन कंपनियों के नाम स्वयम बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस हैं। असगर अली ने दोनों कंपनियों को नरेंद्र मेहता से जुड़ा बताया था। मामले में वर्ष 2015 में एफआईआर भी दर्ज हुई थी।

पीएम से मुलाकात के बाद हुई बैठक

असगर अली के अनुसार, प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मामले में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हुईं। मीरा-भायंदर नगर निगम ने दोनों कंपनियों के प्रबंधन को 16 सितंबर को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया था। इससे पहले मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीकर परदेशी ने मंत्रालय में बैठक बुलाई। इसमें असगर अली वोहरा, नरेंद्र मेहता, नगर निगम आयुक्त राधा बिनोद शर्मा और टाउन प्लानर पुरुषोत्तम शिंदे शामिल हुए। बैठक के बाद सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने विवादित जमीन से पीछे हटने का फैसला लिया। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी ने नगर निगम के असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ टाउन प्लानिंग को पत्र देकर प्लॉट का कमेंसमेंट सर्टिफिकेट सरेंडर कर दिया। कंपनी ने बताया कि उसने 13 जून 2019 को रजिस्टर्ड डीड के जरिए प्लॉट खरीदा था और 17 अप्रैल 2026 को निर्माण की अनुमति हासिल की थी।

मर्री टोल पर आर-पार की तैयारी, शिफ्टिंग नहीं तो टैक्स नहीं

ट्रांसपोर्टरों और वाहन संघों का दो टूक फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से रजेगांव के बीच एनएचआई मार्ग पर मर्री में बनाए गए टोल नाके को लेकर विवाद अब और तेज हो गया है। टोल नाके के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर 16 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में ट्रांसपोर्टरों, बस एसोसिएशन और विभिन्न परिवहन संघों की प्रशासन एवं एनएचआई अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में लंबी चर्चा के बावजूद टोल नाके को तत्काल दूसरी जगह शिफ्ट करने पर कोई फैसला नहीं हो सका। इससे नाराज स्थानीय परिवहन संगठनों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक टोल नाका शिफ्ट नहीं होता, तब तक स्थानीय वाहन चालक टोल टैक्स नहीं देंगे।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि मर्री में टोल नाका गलत स्थान पर बनाया गया है। जिस सड़क के नाम पर वाहन चालकों से टोल वसूला जा रहा है, उसकी स्थिति भी ठीक नहीं है और जगह-जगह सड़क पर गड्ढे उभरने लगे हैं। उनका कहना है कि जब सड़क की स्थिति ही सवालों के घेरे में है तो स्थानीय वाहन चालकों से टोल वसूली किस आधार पर की जा रही है। बैठक में सांसद भारती पारधी, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, मौसम बिसेन, श्याम पंजवानी, एनएचआई छिंदवाड़ा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय गाड़ेकर, एडीएम डीपी बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी सहित परिवहन संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जरूरत पड़ी तो आंदोलन उग्र किया जायेगा- विशाल बिसेन

विशाल बिसेन ने बताया कि 3 सितंबर को मर्री टोल नाके पर टोल वसूली का विरोध करते हुए इसे दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। उस समय 16 सितंबर तक टोल वसूली को लेकर समय दिया गया था और इस दौरान समस्या के समाधान के लिए बैठक करने का आश्वासन दिया गया था। इसी के तहत बुधवार को बैठक हुई। बैठक में एनएचआई अधिकारियों ने टोल नाके के स्थान परिवर्तन से संबंधित पूरी कार्यवाही और प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों के पास भेजने की बात कही है। विशाल बिसेन ने कहा कि बैठक में ट्रांसपोर्ट एवं अन्य परिवहन संघों के पदाधिकारियों ने एकमत होकर निर्णय लिया है कि जब तक मर्री टोल नाका दूसरी जगह शिफ्ट नहीं किया जाता, तब तक स्थानीय वाहन चालक टोल टैक्स नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यदि इसके बावजूद स्थानीय वाहनों से जबरन टोल वसूला जाता है और टोल कर्मचारियों द्वारा किसी वाहन चालक के साथ गलत व्यवहार किया जाता है तो इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई जाएगी। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

पूरी प्रक्रिया उच्च स्तर पर भेजी जायेगी- सासंद भारती पारधी

सांसद भारती पारधी ने कहा कि बैठक में स्थानीय लोगों और परिवहन संगठनों की ओर से टोल नाके के स्थान परिवर्तन की मांग प्रमुखता से रखी गई है। बैठक में मौजूद अधिकारी अंतिम निर्णय लेने के लिए सक्षम नहीं हैं, इसलिए पूरी प्रक्रिया उच्च स्तर पर भेजी जाएगी। उन्होंने संबंधित मंत्रियों से भी इस विषय में चर्चा करने की बात कही।

जनता टोल नाके के स्थान परिवर्तन की मांग पर कायम है- अविनाश ठाकुर

अविनाश ठाकुर ने बताया कि टोल नाके को हटाने की मांग को लेकर आगे विभागीय स्तर पर प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा कि बालाघाट की जनता टोल नाके के स्थान परिवर्तन की मांग पर कायम है। दूसरी ओर, फिलहाल स्थानीय वाहनों को आधार कार्ड दिखाकर टोल से राहत दिए जाने की जो व्यवस्था चल रही थी, उसके अंतिम निर्णय आने तक जारी रहने की बात अनौपचारिक चर्चा में सामने आई है।

स्थान बदलने का अधिकार उनके स्तर का नहीं है - अजय गाड़ेकर

एनएचआई छिंदवाड़ा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय गाड़ेकर ने स्पष्ट किया कि टोल नाके को हटाने और उसका स्थान बदलने का अंतिम अधिकार उनके स्तर पर नहीं है। उन्होंने कहा कि बैठक में हुई चर्चा की पूरी प्रोसेडिंग तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके बाद संबंधित स्तर से निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल यह कहना संभव नहीं है कि टोल नाका कब और कहां शिफ्ट होगा।

नगरपालिका मनायेगी सेवा संकल्प अभियान- भारती ठाकुर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाया जायेगा। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक एक महीने चलने वाले कार्यक्रम के रूपरेखा है। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा 17 सितम्बर को सेवाभावी एवं हितलाभ वितरण के साथ ही आशिर्वाद दीया कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जहां प्रदेशभर में व्यापक तौर पर आयोजन किये जाएंगे। वहीं बालाघाट में भी शाम 7 बजे एक साथ दीप प्रज्जवलित होंगे। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के सशक्त नेता है। उनके अथक परिश्रम से और भारत के हित को

हमेशा सामने और केंद्र में रखते हुए जन-जन में विश्वास उत्पन्न किया है। देशवासियों के लिय ऐसी कल्याणकारी नीति और योजनाएं बनाई है, पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा भारत विकसित, आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया है जिससे जन-जन के जीवन में बहुत बड़ा एक परिवर्तन आया है। 17 सितम्बर को उनके जन्मदिन पर नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा सेवाभावी कार्यों का वृहद आयोजन किया जायेगा।

नपा सभागार में लगेगा स्वास्थ्य शिविर होगा हितग्राही सम्मेलन

बताया गया कि प्रातः 7.30 बजे मोती उद्यान एवं तालाब की पार में सघन स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा, जहां उद्यान को साफ-सुथरा करने के साथ ही तालाब से जलकुंभी निकालकर जल को स्वच्छ करना जो भुजल स्तर को बनाये रखने में सहायक होगा। दोप. 12 से 3 बजे तक नगर पालिका कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा तथा उचित परामर्श देंगे। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर जांच भी होगी तथा निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया जायेगा। नगरवासियों से स्वास्थ्य शिविर में अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की गई है। वहीं शाम 4 बजे नपा कार्यालय सभागार में हितग्राही सम्मेलन होगा जहां प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के पात्र हितग्राहियों को चेक का वितरण किया जायेगा। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को भी हितलाभ प्राप्त होगा।

वार्डो और पीएम आवास कॉलोनी में होगा आशीर्वाद दीया कार्यक्रम

17 सितम्बर की शाम 6 बजे नगर के विभिन्न वार्डो के साथ ही प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में हितग्राहियों के बीच पहुंचकर आशिर्वाद दीया कार्यक्रम होगा। जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घायु की कामना के साथ दीप जलाए जाएंगे। 17 सितंबर को शाम 6 बजे से 7 बजे तक देशवासियों से अपने घरों में दीप जलाकर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करने की अपील की गई है। बताया गया है कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 18 अक्टूबर तक विभिन्न सेवाभावी, जनकल्याणकारी आयोजन किये जाएंगे।

आहार अनुदान योजना के तहत 21 महिला हितग्राहियों को प्रतिमाह 1500 रुपये की स्वीकृति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित शिविरों में आहार अनुदान योजना के लाभ से वंचित विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की महिला मुखियाओं के नवीन आवेदन प्राप्त किए गए। प्राप्त आवेदनों के आधार पर कलेक्टर द्वारा जिले की कुल 21 महिला हितग्राहियों को आहार अनुदान योजना का लाभ प्रदान किए जाने हेतु प्रतिमाह 1500 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि स्वीकृत हितग्राहियों में विकासखण्ड बैहर के ग्राम जगला से श्रीमती सुकमत, ग्राम देवरबेली से श्रीमती सुकरतीन तेकाम, वार्ड क्रमांक 04 नरसिंगटोला से श्रीमती चन्द्रकला मरावी, श्रीमती श्यामा बाई धुर्वे एवं श्रीमती अर्चना मेरावी शामिल हैं। इसी प्रकार विकासखण्ड वारासिवनी के वार्ड क्रमांक 04 से श्रीमती शब्बो कुमरे को योजना का लाभ स्वीकृत किया गया है। विकासखण्ड बिरसा के ग्राम शेरपार से श्रीमती शर्वतिन मरकाम, ग्राम एक्को से श्रीमती रामप्यारी मरकाम, ग्राम बासिनखार से श्रीमती सोमबती मेरावी, श्रीमती सरिता मेरावी, श्रीमती मनीषा मरकाम एवं श्रीमती लक्ष्मी मरकाम तथा ग्राम बोरखेड़ा से श्रीमती रामबती मेरावी एवं श्रीमती शशि मरकाम को आहार अनुदान योजना का लाभ मिलेगा।

विकासखण्ड परसवाड़ा के ग्राम लगमा से श्रीमती सरस्वती मरकाम एवं श्रीमती चैनबती मरकाम, ग्राम राजपुर से श्रीमती जामकली मरकाम, ग्राम सुन्दरवाही से श्रीमती समारिन मेरावी तथा ग्राम मोहनपुर से श्रीमती माला मरकाम एवं श्रीमती इन्द्रबती मरकाम को योजना का लाभ स्वीकृत किया गया है। विकासखण्ड बालाघाट के ग्राम चरेगांव से श्रीमती देवकी मड़ावी को भी आहार अनुदान योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1500 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की महिला मुखियाओं को शासन की कल्याणकारी योजना का लाभ मिल सकेगा। योजना के तहत स्वीकृत सभी 21 महिला हितग्राहियों को प्रतिमाह 1500 रुपये का आहार अनुदान प्राप्त होगा।

दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग चयन शिविर 22 सितंबर को

पद्मेश न्यूज। बैहर। बैहर की धरती अपनी सामाजिक और सेवा भावना के लिए जानी जाती है। क्षेत्र के समाजसेवियों द्वारा प्रतिवर्ष दिव्यांगजनों की सहायता के लिए विभिन्न सेवा कार्य किए जाते हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 सितंबर को कृत्रिम अंग लगाने हेतु चिन्हित शिविर का आयोजन किया जा रहा है।यह शिविर बालाघाट रोड स्थित निदान हॉस्पिटल में 22 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में कृत्रिम अंग की आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों का परीक्षण एवं चिन्हांकन किया जाएगा ताकि उन्हें आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।आयोजकों ने क्षेत्र के ऐसे दिव्यांगजनों से अपील की है।जिन्हें कृत्रिम अंग की आवश्यकता है वे निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाएं। यह पहल दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।इस सेवा भावी कार्य में राकेश असाटी, हरीश कोठारी, मनीष तिवारी, डॉ. इंद्रजीत बिसेन, रामेश्वर कटरे, संदेश जोशी सहित अन्य समाजसेवियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों से शिविर में पहुंचने की अपील की है।

रूपझर पुलिस का एक्शन और जागरूकता अभियान

तीन गांवों में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को नशामुक्ति और साइबर ठगी से बचाव का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे से दूर रहने, साइबर ठगी से सतर्क रहने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रूपझर के नेतृत्व में 16 सितंबर को पुलिस टीम ने क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां संचालित कीं।

ग्राम उमरिया में दबिश 8 लीटर शराब जप्त

थाना रूपझर पुलिस स्टाफ द्वारा क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम उमरिया में एक महिला के कब्जे में अवैध हाथ भट्टी से तैयार कच्ची महुआ शराब रखी हुई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।पुलिस ने ग्राम उमरिया निवासी एक महिला के कब्जे से 8 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब बरामद की। जप्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 800 रुपये बताई गई है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर लगातार नजर रखे जाने की बात कही गई है।

कार्रवाई के साथ जागरूकता पर भी जोर

रूपझर पुलिस ने केवल कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जन जागरूकता अभियान भी चलाया। थाना क्षेत्र के ग्राम मुरुम भटरंगा, भरी और पालागोंदी में अलग-अलग स्थानों तथा चौक-चौराहों पर जन चौपाल आयोजित की गई। इन चौपालों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों से संवाद कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। लोगों को समझाइश दी गई कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि इसका असर पूरे परिवार और सामाजिक वातावरण पर भी पड़ता है। ग्रामीणों से अपने गांव को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक रूप से सहयोग करने की अपील की गई।

साइबर ठगी से बचने की दी समझाईश

जन चौपाल में पुलिस ने ग्रामीणों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक किया। अनजान व्यक्तियों के फोन कॉल, संदेश या अन्य माध्यमों से मांगी जाने वाली व्यक्तिगत जानकारी को साझा नहीं करने की समझाइश दी गई। ग्रामीणों को साइबर ठगी से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए कहा गया।पुलिस ने लोगों को यह भी समझाया कि डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते समय सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है और किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर व्यक्तिगत या महत्वपूर्ण दस्तावेजों से संबंधित जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी किया जागरूक

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर भी जागरूक किया गया। पुलिस ने समझाइश दी कि गांव में यदि कोई बच्चा बीमार होता है तो घरेलू उपचार या लापरवाही करने के बजाय उसे तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल ले जाकर उचित उपचार कराया जाए। समय पर उपचार मिलने से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है, इस संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

आधार और श्रमिक कार्ड के सुरक्षित उपयोग की जानकारी

पुलिस द्वारा ग्रामीणों को आधार कार्ड एवं श्रमिक कार्ड के उपयोग को लेकर भी आवश्यक सुझाव दिए गए। लोगों को अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों का सुरक्षित उपयोग करने और अनजान व्यक्तियों के साथ दस्तावेजों की जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

गांव को नशामुक्त बनाने की अपील

जन चौपाल में पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि गांव में यदि कहीं अवैध शराब का निर्माण या बिक्री हो रही है तो इसकी जानकारी पुलिस तक पहुंचाएं। पुलिस ने कहा कि नशे के खिलाफ सामाजिक स्तर पर जागरूकता और ग्रामीणों की सहभागिता से ही सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने भी पुलिस की जागरूकता गतिविधियों में सहयोग का भरोसा दिलाया।

पुलिस की दोहरी भूमिका-कार्रवाई भी और जागरूकता भी

रूपझर पुलिस की 16 सितंबर की कार्रवाई में एक ओर जहां अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज किया गया, वहीं दूसरी ओर तीन गांवों में जन चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को नशामुक्ति, स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के सुरक्षित उपयोग को लेकर जागरूक किया गया। पुलिस की इस पहल को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

अवैध शराब की कार्रवाई एवं जन जागरूकता कार्यक्रमों में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विशेष सहयोगी दस्ते की भूमिका रही। अलग-अलग जन चौपालों में सउनि चंद्रशेखर चौधरी, प्र.आर. देवेश तिवारी, विशेष सहयोगी दस्ते के कुलदीप कोकोटे, गौरव कोसरे, महिला कर्मचारी तामेश्वरी मरकाम, सुरेखा मरकाम, सउनि. धनराज सिंह उइके, आरक्षक रोहित उइके, आरक्षक मिथिलेश पडवार, रोहित प्रजापति, सउनि लक्ष्मीचंद बघेल, प्र.आर. अर्जुन सिंह बघेल, आरक्षक जितेंद्र सोलंकी, आरक्षक अंकित पारधी, आरक्षक आशीष ढेकवार सहित पुलिस स्टाफ एवं विशेष सहयोगी दस्ते का सराहनीय योगदान रहा।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया 15 सितंबर से हुई प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया 15 सितंबर से प्रारंभ हो गई है जो कि 10 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। जिले में किसान पंजीयन के लिए समिति स्तर पर कुल 112 पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं। तहसीलवार पंजीयन केंद्रों की संख्या में बालाघाट में 7, किरनापुर में 14, लॉजी में 17, वारासिवनी में 19, खैरलांजी में 14, कटंगी में 12, लालबर्रा में 15, बैहर में 2, बिरसा में 7 तथा परसवाड़ा में 5 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इनके अतिरिक्त अधिकृत सीएससी सेंटर, कियोस्क, एमपी ऑनलाइन एवं साइबर कैफे के माध्यम से भी निर्धारित पंजीयन शुल्क 50 रुपये का भुगतान कर किसान अपना पंजीयन करा सकेंगे।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

दस्तावेज गुम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चैनलाल पिता श्री बुद्धुसाव बावनकर ग्राम सुरवाही, तहसील व जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं।

यह कि मैं गत 15 सितम्बर 2026 को व्यक्तिगत कार्य से मोटर सायकल से अपने साथ घरेलू, भूमि के दस्तावेज लेकर अपने गांव से बालाघाट शहर आया था और काम निपटाकर वापस अपने गांव जा रहा था, कि अचानक मेरी मोटर सायकल से जिसमें मेरे घरेलू भूमि के दस्तावेज रखे थे जो थैला कही गुम हो गया है उक्त दस्तावेजों में(1) मौजा ग्राम सुरवाही की 3 ऋण पुस्तिका जो कि 2 मेरे स्वयं की एवं एक मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई के नाम से थी। (2) मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई के नाम से खरीदी हुई जमीन की 9 रजिस्ट्रियाँ जो मौजा सुरवाही की थी एवं(3) मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई द्वारा मृत्यु के पूर्व ग्राम सुरवाही की भूमि से संबंधित वसीयतनामा आवेदक यानी मेरे नाम से लेख था।

उक्त सभी दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं जिस किसी व्यक्ति को मिले हो या इसके बारे में कोई जानकारी हो तो ये कृप्या मेरे नीचे लिखे पते पर संपर्क करें।

वास्ते सूचनार्थ
चैनलाल पिता बुध्दुसाव बावनकर
ग्राम सुरवाही तह. जिला बालाघाट
मों.न. 8462838581

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

रेल हादसे में गंवाए थे दोनों पैर, बीमारी से हुई मौत, समाज ने कराया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । गोलीबारी चौक स्थित पुरानी गुड़ मंडी में वर्षों से रह रहे निर्धन परिवार के युवक संदीप धकाते की बीमारी के चलते मौत हो गई। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अंतिम संस्कार में परेशानी की जानकारी मिलने पर कोष्टी समाज ने आगे बढ़कर परिवार की मदद की और अंतिम संस्कार कराया। मृतक युवक संदीप अपनी मां मुन्नी बाई के साथ गुड़ मंडी में रहता था। गत वर्ष गोंदिया से वारासिवनी लौटते समय रेल हादसे में उसके दोनों पैर कट गए थे। उपचार के बाद वह ठीक था। १४ सितंबर को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे शासकीय अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया। जहां १५ सितंबर की दोपहर करीब २ बजे उसकी मृत्यु हो गई। रात में एंबुलेंस से शव वारासिवनी पहुंचा। इसकी सूचना मिलने पर कोष्टी समाज अध्यक्ष मनीष हेडाऊ ने सामाजिक बंधुओं के सहयोग से अंतिम संस्कार की व्यवस्था कराई। १६ सितंबर की सुबह नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से संदीप का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान समाज के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पार्षद योगेंद्र मोनू लिमजे, रविकांत गोखले,डब्बु बोकडे सहित नगर पालिका कर्मचारियों का सहयोग रहा।

न्यूज गैलरी

एसडीएम ने संकुल प्राचार्यों और निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक ली

शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय दंडाधिकारी विजय सिंह यादव ने सांदीपनी विद्यालय हॉल में कटंगी अनुभाग के शासकीय विद्यालयों के संकुल प्राचार्यों एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक ली। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान तथा स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडीएम विजय यादव ने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यालयों में आयोजित होने वाली चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का प्रभावी तरीके से आयोजन कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जोड़कर देखा जाना चाहिए। इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने और उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं।

प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक शिक्षा पर दिया जोर

एसडीएम ने विद्यालयों में अध्यापन कार्य को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में विज्ञान विषयों की प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ के बिना राष्ट्र की वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। इसलिए जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रयोगशालाओं में नियमित रूप से प्रायोगिक तरीके से अध्यापन कराया जाना चाहिए, जिससे उन्हें विषयों की व्यावहारिक समझ विकसित हो सके। बैठक में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चंद्र सिंह कुशराम, बीआरसी रविंद्र हरिनखेले एवं सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य यतिंद्र अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी के कटंगी मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे, तिरोड़ी मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख एवं अन्य पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। पार्टी पदाधिकारियों ने सेवा संकल्प अभियान से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी साझा की और अभियान को प्रभावी तरीके से आयोजित करने के संबंध में सुझाव

अफसर नहीं पहुंचे तो कलेक्टर गेट पर फूटा मछुआरों का गुस्सा

दस दिन की हड़ताल के बाद आश्वासन पर स्थगित हुआ आंदोलन, अपर कलेक्टर को करनी पड़ी घंटों मशक्कत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित नौ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे मछुआ ढीमर समाज के लोगों का सब्र बुधवार को उस समय टूट गया, जब जनपद पंचायत के सामने कई दिनों से जारी धरना स्थल पर उनकी सुध लेने कोई जिम्मेदार विभागीय अधिकारी नहीं पहुंचा। दस दिनों से हड़ताल पर बैठे मछुआरा समाज के लोगों ने आखिरकार जनपद से जिला मुख्यालय का रुख किया और 16 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर गेट के सामने ही मोर्चा खोल दिया। कड़ी धूप में कई घंटे तक प्रदर्शन, नारेबाजी और अधिकारियों से तत्काल मौके पर आने की मांग के बाद प्रशासन हरकत में आया। बाद में डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक, सहकारिता उपायुक्त राजेश उइके और मत्स्य विभाग की उपसंचालक पूजा रोडगे ने आंदोलनकारियों से चर्चा कर उनकी मांगों के निराकरण और कथित फर्जीवाड़े में कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद हड़ताल स्थगित कर दी गई।

वंशानुगत मछुआरा समिति लालबर्रा के बैनर तले चल रहा यह आंदोलन पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल के रूप में शुरू हुआ था। बाद में इसे क्रमिक हड़ताल में बदल दिया गया, लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से समाज में नाराजगी बढ़ती गई। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन और संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन देकर वापस कर दिया जाता है। इस बार भी जब धरना स्थल पर अधिकारी नहीं पहुंचे तो मछुआरों ने साफ कर दिया कि अब वे अधिकारियों के कार्यालय तक जाकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। कलेक्टर गेट पर पहुंचने के बाद आंदोलनकारियों ने वहीं बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से कहा कि जब वे कई दिनों से जनपद पंचायत के सामने धरना दे रहे हैं तो उनकी सुध लेने अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। उनका कहना था कि यदि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेता तो उन्हें जिला मुख्यालय आकर इस तरह प्रदर्शन करने की जरूरत नहीं पड़ती।

सहकारिता उपायुक्त को बुलाने और हटाने की उठी मांग

कलेक्टर गेट पर प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारियों ने डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक के सामने अपनी मांगें रखीं और सहकारिता विभाग के उपायुक्त राजेश उइके को तत्काल मौके पर बुलाने की मांग की। आंदोलनकारियों ने संबंधित अधिकारी को हटाने की मांग भी उठाई। उनका आरोप था कि विभागीय स्तर पर उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है और लगातार आश्वासन देकर मामले को टाला जा रहा है। काफी देर तक चले प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारी आंदोलनकारियों से चर्चा के लिए पहुंचे। इसके बाद मांगों को लेकर बातचीत हुई और संबंधित अधिकारियों ने निराकरण की दिशा में कार्रवाई का भरोसा दिया।

कड़ी धूप में घंटों बैठकर बुलंद की आवाज

कलेक्टर गेट पर प्रदर्शन के दौरान मछुआरा समाज के लोग घंटों कड़ी धूप में बैठे रहे। समिति के पदाधिकारी सुरेंद्र चौधरी, शेखर जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने माइक के माध्यम से अपनी मांगें प्रशासन तक पहुंचाई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अब केवल आश्वासन के भरोसे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

दस दिन बाद आश्वासन पर स्थगित हुई हड़ताल

लगातार दस दिनों तक चली हड़ताल और बुधवार को कलेक्टर गेट पर हुए प्रदर्शन के बाद डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक, सहकारिता उपायुक्त राजेश उइके तथा मत्स्य विभाग की उपसंचालक पूजा रोडगे ने आंदोलनकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने मांगों के निराकरण और कथित फर्जीवाड़े में कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद मछुआ ढीमर समाज ने फिलहाल अपनी हड़ताल स्थगित कर दी। हालांकि आंदोलनकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि दिए गए आश्वासन पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं होती है तो वे दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाने से पीछे नहीं हटेंगे। जनपद पंचायत के सामने शुरू हुआ यह आंदोलन अब जिला मुख्यालय तक पहुंचने के बाद प्रशासन के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है। अब देखना होगा कि जाति प्रमाण पत्रों की जांच और अन्य नौ सूत्रीय मांगों पर दिए गए आश्वासन कितनी जल्दी जमीन पर कार्रवाई में बदलते हैं।

किरनापुर थाना घेराव मामले में बड़ी कार्रवाई

25-30 को पुलिस ने उठाया, 80 से अधिक लोग एफआईआर के लिए चिन्हित, पुलिस ने किरनापुर में निकाला फ्लैग मार्च

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना घेराव और प्रदर्शन के दौरान हुए पथराव वाले मामले में पुलिस ने अब बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना में शामिल 80 से अधिक लोगों को एफआईआर के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें से करीब 25 से 30 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जबकि अन्य चिन्हित लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।बताया जा रहा है कि पुलिस द्वारा घटना के दौरान बनाए गए सीसीटीवी फुटेज और उपलब्ध वीडियो रिकॉर्डिंग को खंगालकर प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस की जांच में अभी और लोगों के नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में चिन्हित किए जा रहे लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

थाने के घेराव के बाद पुलिस का एक्शन

ज्ञात हो कि किरनापुर थाने में दर्ज चोरी के मामले में कथित आरोपी के साथ मारपीट और उसकी गर्भवती पत्नी के साथ थाने में कथित मारपीट के आरोपों को लेकर मरार समाज सहित अन्य लोगों ने मंगलवार को थाने का घेराव किया था। प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ था।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। घटना में पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई थी। इसके बाद से ही पुलिस द्वारा मामले में शामिल लोगों की पहचान और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

सीसीटीवी फुटेज बना कार्रवाई का आधार

पुलिस अब घटना के दौरान थाने के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के साथ ही सामने आए वीडियो की जांच कर रही है। इनमें पथराव, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और अन्य गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई का दायरा बढ़ने के संकेत हैं और कई अन्य लोग भी पुलिस के रडार पर बताए जा रहे हैं।

एक नजर में

- 80 से अधिक लोग एफआईआर के लिए चिन्हित
- 25 से 30 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया
- सीसीटीवी और वीडियो फुटेज से हो रही पहचान
- अन्य लोगों के नाम भी जांच के दायरे में
- थाना घेराव के दौरान हुआ था पथराव
- पुलिस ने किया था लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल
- घटना के बाद किरनापुर में पुलिस का फ्लैग मार्च

क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च, शांति की अपील

उधर घटना के दूसरे दिन बुधवार को किरनापुर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने फ्लैग मार्च भी किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। फिलहाल क्षेत्र में पुलिस बल की मौजूदगी बढ़ाई गई है और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

सभी पर दर्ज होगी एफआईआर- राजकुमार

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी ने बताया कि मंगलवार को मरारमाली समाज द्वारा किए गए थाने के घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उग्र रुख अपनाते हुए पत्थर बाजी शुरू कर दी थी पुलिस के साथ धक्का मुक्की की गई ,वही पत्थर बाजी में 15 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं कुछ का इलाज स्थानीय स्तर पर चल रहा है तो कुछ पुलिस कर्मियों को बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रिफर किया गया है जहां उनका उपचार जारी है इस मामले में 25 से 30 लोगों को पूछताछ के लिए उठाया गया है,वही 70 से 80 लोगों को चिन्हित किया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य प्रदर्शनकारियों की भी पहचान की जा रही है।सभी पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है सभी पर एफआईआर दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

छात्र संघ चुनाव न कराने पर एबीवीपी ने जताया आक्रोश

प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद प्रदेश सरकार द्वारा महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की बात सामने आने के बाद छात्र राजनीति एक बार फिर सक्रिय हो गई है।हालांकि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होंगे या अप्रत्यक्ष प्रणाली से, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

इसी बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने की मांग को लेकर बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने नगर के आम्बेडकर चौक से रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।एबीवीपी ने छात्रसंघ चुनाव के साथ-साथ जिले के महाविद्यालयों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं के निराकरण किए जाने की भी मांग की।जिन्होंने छात्र संघ चुनाव को लेकर दो माह का अल्टीमेटम देते हुए, समय सीमा के भीतर छात्र संघ चुनाव नहीं कराए जाने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी है।

9 वर्षों से नही हुए छात्रसंघ चुनाव

पदाधिकारियो ने बताया कि लंबे समय के बाद महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की चर्चा और प्रक्रिया शुरू होने से विद्यार्थियों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी की स्पष्ट मांग है कि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएं, ताकि विद्यार्थी अपने प्रतिनिधियों का सीधे चयन कर सकें।उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली से विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक अधिकार मजबूत होंगे और युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। छात्र प्रतिनिधि सीधे विद्यार्थियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और उनके समाधान के लिए जवाबदेह भी होंगे।परिषद ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद छात्रसंघ चुनाव की संभावनाओं से विद्यार्थी उत्साहित हैं, लेकिन चुनाव की प्रणाली को लेकर सरकार को शीघ्र स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।एबीवीपी का मानना है कि छात्रसंघ चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और भावी नेतृत्व तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

इन मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

एबीवीपी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि महाविद्यालयों में जल्द से जल्द छात्रसंघ चुनाव कराए जाएं ताकि छात्रों की समस्याओं का निराकरण हो सके इसके अलावा उन्होंने महाविद्यालयों में व्याप्त सभी मूलभूत समस्याओं का सर्वे कराकर उनका शीघ्र निराकरण करने। विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, आधुनिक पुस्तकालय, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त शौचालय, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैंप और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की भी मांग की।परिषद ने यह भी मांग की कि जिन विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं हो रही हैं, वहां आवश्यक शिक्षकों की व्यवस्था कर अध्ययन-अध्यापन को सुचारू बनाया जाए। एबीवीपी का कहना है कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए केवल नई योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना भी जरूरी है।

चुनाव विद्यार्थियों की आवाज का सशक्त माध्यम- कलश असाटी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट के नगर मंत्री कलश असाटी ने बताया कि लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अपने बीच से प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। छात्र संघ के माध्यम से विद्यार्थी महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं एवं छात्रहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से प्रशासन और शासन के समक्ष रख सकते हैं।इसलिए शासन को छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करते हुए विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर प्रदान करना चाहिए।हमने ज्ञापन के माध्यम से 2 माह का समय दिया है। यदि मांग पूरी नहीं हुई तो एबीवीपी द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इनकी रही उपस्थिती

ज्ञापन सौंपने के दौरान पीजी महाविद्यालय के अध्यक्ष अमन दशरिये,राहुल बुर्डे, प्रियांशु तिवारी, आर्यन गौतम,आरव कुमरे, यानिश येडे, शिवम लिल्हारे,रोहित बिसेन,सारांश हिरवाने,अमित धामड़े,गुलशन कटरे,रुद्रकांत दुबे,वारिस चौहान, सुधीर पंचेश्वर, रविन्द्र राहंगडाले,खुशाल नगपुरे,रोशनी बढ़ाई,पलक ठाकरे,मार्शल कटरे, अंबर ध्यानी, ऋषभ विश्वकर्मा, गौरव मोहबे, रचित दूबे, निशांत बिसेन, गौरव कुमरे, अमित तेकाम, भविश्य पांड्रे, अंश धुर्वे,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट के कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में छात्र संघ चुनाव बहाल करो की मांग उठाते हुए शासन से प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव शीघ्र कराने की मांग की।

लांजी अल्प प्रवास पर पहुंचे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अजय सुखदेव

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं शहडोल जिला प्रभारी अजय सुखदेव अल्प प्रवास पर लांजी पहुंचे। इस दौरान लांजी बस स्टैंड पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया।बस स्टैंड पर भाजपा बिसौनी मंडल के देवेश ऐडे, भाजपा युवा मोर्चा

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं लांजी नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष उज्ज्वल श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने अजय सुखदेव का गमछा पहनाकर अभिनंदन किया।इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से विभिन्न विषयों पर चर्चा भी हुई। चर्चा के दौरान अजय सुखदेव ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना ही हमारी राजनीति का मूल आधार है। इसी सोच के साथ हम देश को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संगठन को मजबूत करने और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने के लिए कार्य करता है। लांजी प्रवास के दौरान किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान के लिए अजय सुखदेव ने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

17 सितंबर से बालाघाट में शुरू होगा स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन और पंजीयन अभियान

1,44,461 भू-अधिकार पत्रधारकों के अधिकार अभिलेखों का होगा नि:शुल्क पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में स्वामित्व योजना के तहत तैयार किए गए अधिकार अभिलेखों के माध्यम से भूमिस्वामियों को बैंक से ऋण प्राप्त करने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन (रजिस्ट्री)-2026' अभियान शुरू किया जा रहा है। बालाघाट जिले में अभियान की शुरुआत 17 सितम्बर 2026 से होगी। राज्य शासन द्वारा 2 जून 2026 को इस अभियान के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है। अभियान के तहत स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार किए गए भू-अधिकार पत्रों के आधार पर संबंधित भू-अधिकार पत्रधारकों के पक्ष में अधिकार अभिलेखों का पंजीयन कराया जाएगा।

ग्राम पंचायत स्तर पर होगी नि:शुल्क रजिस्ट्री

अभियान के अंतर्गत अधिकार अभिलेखों का नि:शुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाएगा। इसके लिए राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में दिनवार एवं स्थानवार कार्यक्रम निर्धारित कर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बालाघाट जिले के 1106 ग्रामों के कुल 1,44,461 भू-अधिकार पत्रधारकों के अधिकार अभिलेखों के पंजीयन की कार्रवाई इस अभियान के अंतर्गत की जाएगी।

आवेदकों से नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क

अभियान के तहत अधिकार अभिलेखों के पंजीयन के लिए आवेदकों को किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा। शासन द्वारा पंचायत उपकर के अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार पात्र भू-अधिकार पत्रधारकों के लिए पूरी पंजीयन प्रक्रिया नि:शुल्क रहेगी। अधिकार अभिलेखों के पंजीयन के बाद भूमिस्वामियों के लिए अपनी भूमि से संबंधित दस्तावेजों के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त करने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंजीयन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

आस-पास की खबरें

सेलवा में कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत बगदेही के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेलवा में गणेशोत्सव

के पावन अवसर पर सर्व समाज एवं बाल गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में बुधवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन बुधवार को दोपहर में ग्राम स्थित बजरंग मंदिर से बैड-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के प्रमुख चौक-चौराहों से भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंची, जहां पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कथा का शुभारंभ किया गया। वहीं 17 सितंबर से 23 सितंबर तक कथावाचक 'योतिषाचार्य पंडित श्री दीपचंद शास्त्री जी महाराज द्वारा भगवान भोलेनाथ की महिमा, उनकी दिव्य जीवन लीलाओं एवं महात्म्य पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। इस 7 दिवसीय आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। कथा के शुभारंभ से ही पूरा ग्रामीण अंचल शिवभक्ति के माहौल में डूब गया है और ग्रामीणजन कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारी, किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि गणेश उत्सव के पावन अवसर पर 15 सितंबर को प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई है और 16 सितंबर को कलशों की शोभायात्रा निकालकर 7 दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया है। जिसमें प्रतिदिन शाम 7 बजे से कथावाचक 'योतिषाचार्य पंडित श्री दीपचंद शास्त्री जी महाराज द्वारा भगवान भोलेनाथ की महिमा पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बहेगी और क्षेत्रीयजन कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं किसान कांग्रेस कमेटी ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने की है।

हादसों को दावत देते आवारा मवेशी हाईवे मार्ग बना मवेशियों का आशियाना

आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने और मालिकों पर कार्यवाही की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर में आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी की समस्या अब आमजनों के लिए नासूर बन चुकी है। नगर मुख्यालय से होकर गुजरे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के अलावा हाई स्कूल मार्ग, गुजरी पहुंच मार्ग, अमोली-समनापुर राज्य मार्ग, मजार के समीप एवं सर्राटी नदी पुल सहित अन्य प्रमुख मार्गो पर दिन-रात मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। ये मवेशी सड़कों पर घूमते हुए 'यमदूत' का रूप धारण कर दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहे हैं। इस तरह से पशुपालकों की घोर लापरवाही के कारण मवेशी सड़कों को अपना आशियाना बना चुके हैं। ये मवेशी दिन हो या रात, सड़क के बीचों-बीच बैठे और घूमते नजर आते हैं। जिससे राहगीरों, स्थानीय दुकानदारों तथा वाहन चालकों को हर समय किसी बड़ी अनहोनी का डर सताते रहता है। पूर्व में भी कई मवेशियों व वाहनों के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी हैं। वहीं रात्रि के समय आवारा मवेशी नगर मुख्यालय के आसपास स्थित खेतों में लगी सब्जी एवं धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। वहीं दुसरी ओर फसल में लग रही बीमारी की रोकथाम हेतु किसान कीटनाशक दवा का छिड़काव भी कर रहे है। उक्त फसल के सेवन से मवेशियों की मौते भी हो रही है उसके बावजूद पशुपालक सबक नही ले रहे है और अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे है।

त्यौहारी सीजन में दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा

वर्तमान में गणेशोत्सव का पावन पर्व जारी है तथा आगामी समय में दुर्गा उत्सव, लालबर्रा मुख्यालय का प्रसिध्द एवं भव्य माँ सरस्वती महोत्सव भी प्रारंभ होने जा रहा है। साथ ही ये आवारा मवेशी रास्ते के बीचों-बीच झुंड बनाकर खड़े हो जाते है। जिससे परेशान वाहन मालिकों को गुजरते समय इन आवारा पशुओं को हटाने हेतु अपने वाहन का हार्न बजाना पड़ता है एवं कई बार तो ऐसी स्थिति बन जाती है कि ये मवेशी रास्ते से हटने को तैयार नही होते। जिसके कारण रास्ता जाम होने की स्थिति बन जाती है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इन आवारा मवेशियों के मालिकों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है। इसलिए वे बेझिझक होकर अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है जो राहगीरों व ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनते जा रहे है। वहीं वर्तमान में गणेशोत्सव का पर्व जारी है और आगामी समय में नवरात्र, माँ सरस्वती महोत्सव सहित अन्य पर्व प्रारंभ हो जायेगें। इस दौरान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रध्दालु माता रानी के दर्शन और धार्मिक आयोजनों में शामिल होने नगर मुख्यालय पहुंचेंगे। लेकिन मुख्य मार्गों पर आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। इसलिए प्रशासन को जिस तरह से यातायात नियमों का पालन हेतु अभियान चलाया जाता है। उसी तरह अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर पशुमालिकों को समझाईश देना चाहिए उसके बाद भी खुला छोड़ते है तो उन पर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

केवल हिदायत नहीं, अब सख्त जुर्माने की जरूरत

नगर के जागरूक नागरिकों एवं राहगीरों का कहना है कि हाईवे व व्यस्तम मार्गो पर मवेशियों की मौजूदगी अब केवल असुविधा नहीं, बल्कि जन-जीवन को खतरे में डालने वाली गंभीर समस्या बन चुकी है। सड़कों पर घूम रहे ये पशु वास्तव में लावारिस नहीं हैं, बल्कि स्थानीय पशुपालकों के हैं, जो सुबह दूध निकालने के बाद उन्हें खुले में छोड़ देते हैं। जागरूक नागरिकों एवं राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि केवल हिदायत देने के बजाय अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजे और जिम्मेदार पशुपालकों पर भारी जुर्माना लगाते हुए दंडात्मक कार्यवाही करें। ताकि सड़कों को सुरक्षित किया जा सके।

कोसमी में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के

ग्राम कोसमी में श्रीगणेशोत्सव समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव का पर्व भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। साथ ही इस अवसर पर सुबह-रात 8 बजे आरती की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। वही इस गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। वही दिन-रात गणपति बप्पा मोरिया के गीत सुनाई दे रहे है जिससे पूरा ग्राम भक्तिमय नजर आ रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कोसमी में प्रथम पू'य लंबोदर महाराज श्री गणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय पर्व गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है और रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही यह भी बताया कि भक्तजनों के द्वारा 10 दिनों तक भगवान श्रीगणेश की भक्तिभाव से उनकी पूजा-अर्चना, आराधना और उपासना की जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील श्रीगणेशोत्सव समिति कोसमी के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

बलिदान दिवस पर विशाल आदिवासी मेला 19 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अमर शहीद राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथ शाह के 196 वां बलिदान दिवस के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में 19 सितंबर को प्रात: 11 बजे से कमला नेहरू प्रांगण बालाघाट में विशाल आदिवासी मेला का आयोजन किया गया हैं। तत्संबंध में जानकारी देते हुए विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े ने बताया कि बहुजन समाज पार्टी के द्वारा 19 सितंबर को जिला मुख्यालय स्थित कमला नेहरू प्रांगण में अमर शहीद राजाशंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह का 196 वां बलिदान दिवस के अवसर पर विशाल आदिवासी मेला का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम रा'यसभा सांसद, केन्द्रीय कोऑर्डीनेटर, मुख्य प्रभारी बसपा ईजी. रामजी गौतम के मुख्य आतिथ्य, बसपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र की अध्यक्षता एवं केन्द्रीय प्रदेश प्रभारी मोहित आनंद, बसपा प्रदेश प्रभारी कमलेश कुमार, प्रदेशाध्यक्ष जियालाल अहिरवार, प्रदेश प्रभारी पूर्णेन्द्र अहिरवार, जोन प्रभारी उमाकांत बदेवार, ज्ञानेश्वर गजभिये, सचिन बौध्द के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर के बसपा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री हरिनखेड़े ने की है।

लंबोदर महाराज का सजा दरबार, भक्तिभाव से हो रही आराधना

गणेशोत्सव समितियों ने जगह-जगह स्थापित किये विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएँ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश का पावन पर्व 14 सितंबर से बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ प्रारंभ हो चुका है। गणेशोत्सव समितियों एवं श्रध्दालुओं द्वारा शुभ मुहूर्त में सार्वजनिक पंडालों व घरों में प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की मनमोहक प्रतिमाएं स्थापित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरूआत की गई है। वहीं सोमवार की सुबह से ही श्रध्दालुओं और उत्सव समितियों में भारी उत्साह देखा गया। समिति के पदाधिकारी व नागरिक बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ मूर्तिकारों के पास पहुंचे। ट्रैक्टर, ऑटो, मोटरसाइकिल व अन्य वाहनों के माध्यम से जयकारों के बीच श्रीगणेश की प्रतिमाओं को पंडालों एवं घरों तक लाया गया। इसके पश्चात पंडितों के द्वारा द्वारा पूरे विधि-विधान व वैदिक मंत्रों चार के साथ पूजा-अर्चना कर प्रतिमाओं की स्थापना की गई। वहीं प्रतिमा स्थापना के साथ ही श्रध्दालुओं के द्वारा गणेशोत्सव का पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है।

कृषि उपज मंडी परिसर में विराजे 'गणपति बप्पा'

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स परिसर में क्षेत्र की सबसे प्राचीन श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के द्वारा सोमवार की रात भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी बैंडबाजे के साथ मूर्तिकार के घर पहुंचे और आतिशबाजी करते हुए रात करीब 8 बजे भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा लेकर प्रतिमा स्थल आये एवं पंडित के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा की स्थापना की गई तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया। चर्चा में श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीगणेश की मनमोहक प्रतिमा स्थापना कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन सुबह व रात 8 बजे आरती की जा रही है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान श्रीगणेश की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव समिति लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर की पति की लंबी उम्र की कामना

बेलगांव में शोभायात्रा निकालकर नहर में किया गया आस्थापूर्वक गौर विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बेलगांव में हरितालिका पर्व व्रतधारी महिलाओं एवं कुंवारी कन्याओं के द्वारा आस्थापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सोमवार को सुहागिन महिलाओं एवं कुंवारी युवतियों के द्वारा निर्जला व निराहार व्रत रखकर रात्रि में फुलेरा सजाकर भगवान शिव व माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर रतजगा कर पति के दीर्घायु जीवन व कुंवारी कन्याओं के द्वारा मनचाहा वन प्राप्ति की कामना की गई। वहीं मंगलवार को प्रात: 8 बजे ग्राम की व्रतधारी महिलाएं फुलेरा लेकर मंडई चौक में एकत्रित हुए जहां से बैडबाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर बड़ी नहर पहुंचे जहां आरती कर फुलेरा को विसर्जित किया गया। व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि हरितालिका पर्व का विशेष महत्व है, इस दिन गौरी-शंकर की पूजा का विधान है जिसमें मान्यता है कि

हरितालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है तथा कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, बिस्तेराम बाहेश्वर, यदुराम पंचेश्वर, तिलक सिंघई, मालिक माते, लक्ष्मीचंद कावरे, राजेश पंचेश्वर, रविशंकर पंचेश्वर, अनिल पंचेश्वर, दुर्गाप्रसाद सिंघई, खोमन लांझेवार, गोकुल बाहेश्वर, जयपाल माने, शंकर माने, पवन दांदरे, श्री कावरे, चैनू पंचेश्वर, देवदास बोरकर, धनीराम माने, बलराम सिंघई, सुकचन सिंघई, मुन्नीबाई सिंघई, गुड्डीबाई, लता पंचेश्वर, सारिका बाहेश्वर, अल्का बाहेश्वर, चंद्रकला पंचेश्वर, कविता कावरे, मनीषा, देवकी, बबिता माते, कांतिबाई माने, किरण माने, गायत्री माने, श्रीबत्ती बाहेश्वर, चंद्रकला बाहेश्वर, शारदा कावरे, सीमा डुमरे, सिमरन राणा, मुनेश्वरी कुर्वे, इन्द्रकला माने, राधिका सिंघई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 1.77 करोड़ के लेन-देन का आरोप

वारासिवनी थाने में शिकायतकर्ता के बयान दर्ज, दस्तावेज और लेन-देन के साक्ष्य पुलिस को सौंपे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी क्षेत्र में शासकीय एवं आउटसोर्स नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से कथित रूप से मोटी रकम लेने और करोड़ों रुपए के लेनदेन का मामला सामने आया है। मामले में करीब ढाई सैकड़ा लोगों के प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। इस संबंध में शिकायतकर्ता ब्रजकिशोर ठाकरे के द्वारा थाना वारासिवनी में शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जिसमें शिकायतकर्ता के द्वारा १६ सितंबर को जांच अधिकारी के समक्ष अपने बयान दर्ज करवारकर दस्तावेज उपलब्ध कराये गये हैं।

शासकीय और ऑऊटसोर्स की नौकरी लगाने लिया रूपये

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा निवासी सुमित वृषिक नामक युवक पर लोगों को सीधे शासकीय नौकरी अथवा आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाकर उनसे दस्तावेज एवं मोटी रकम लेने के आरोप लगाए गए हैं। नौकरी मिलने की उम्मीद में संबंधित लोगों द्वारा अपने आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ राशि भी दी गई। शिकायतकर्ता ब्रजकिशोर ठाकरे के अनुसार उनकी पहचान भी उक्त व्यक्ति से हुई थी जिसके बाद उन्हें नौकरी लगवाने का भरोसा दिया गया और उनसे राशि ली गई। इसके बाद सुमित वृषिक के द्वारा ब्रजकिशोर ठाकरे के परिचितों, रिश्तेदारों एवं दोस्तों से भी संपर्क बढ़ाया गया तथा नौकरी लगवाने की बात कही गई। इसके चलते कई लोगों द्वारा अपने दस्तावेज ब्रजकिशोर के माध्यम से उपलब्ध कराते हुए कुछ राशि बैंक ट्रांसफर के माध्यम से तथा कुछ राशि नगदी रूप में दिए जाने की बात शिकायत में सामने आई है। समय बीतने के बाद संबंधित लोगों का चयन नहीं होने तथा लंबे समय तक नौकरी नहीं लगने पर उन्होंने अपनी दी गई राशि वापस मांगना शुरू किया। शिकायतकर्ता ने संबंधित लोगों की राशि वापस दिलाने के लिए सुमित वृषिक से संपर्क किया और राशि लौटाने की मांग की। इसके बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा लगातार टालमटोल कर मोबाइल फोन बंद कर दिया गया। तो ब्रजकिशोर ठाकरे द्वारा २९ अगस्त को थाना वारासिवनी में शिकायत प्रस्तुत कर पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर उचित एवं कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई थी। शिकायत के बाद पुलिस के द्वारा मामले की जांच प्रारंभ की गई। जांच अधिकारी ने शिकायतकर्ता को थाने बुलाकर मामले के संबंध में विस्तृत पूछताछ की तथा घटना से जुड़े दस्तावेज और लेनदेन से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा।

एसआईटी की टीम गठित कर पूरे मामले की जांच किया जाये-ब्रजकिशोर ठाकरे

ब्रजकिशोर ठाकरे ने बताया कि २९ अगस्त को मेरे द्वारा वारासिवनी थाने में शिकायत की गई थी। उसमें अपने बयान दर्ज करवाने के लिए पुलिस के बुलावे पर आए हुए थे। हमने अपनी पूरी बात रख दी है यह मामला सरकारी नौकरी या आउट सोर्स में नौकरी लगने का है,जिसमें मेरी पहचान दोस्तों एवं अन्य लोगों से जुडा हुआ है। एक व्यक्ति सुमित वृषिक लालबर्रा का रहने वाला है वह स्वयं को महिला बाल विकास विभाग का अधिकारी बताता है उसने मेरे पहचान एवं मुझे सरकारी नौकरी लगने के लिए दस्तावेज और रुपए लिए हुए हैं। प्रत्येक व्यक्ति की राशि अलग,अलग है परंतु संयुक्त रूप से जोड़ा गया है तो लगभग १ करोड़ ७७ लाख रुपए का २५१ लोगों से लेनदेन हुआ है। रक्षाबंधन के बाद मैंने फोन किया तो फोन बंद हो गया वह मिल भी नहीं रहा था तो परेशान होकर हमने एक शिकायत की थी। क्योंकि वह टालमटोल कर रहा था यह काम वह वर्ष २०२२ से चला रहा है मेरी पहचान तभी हुई थी फिर २०२५ में मैंने उसका साथ छोड़ दिया था। जब लोगों का काम नहीं हुआ तो वह रुपए वापस मांग रहे हैं मेरे ऊपर भी दबाव बना रहे हैं। कुल १ करोड़ ७७ लाख रुपए लोगों का है जबकि मैंने अपनी सभी चीज बेचकर और गिरवी रखकर करीब ५८ लाख रुपए वापस दिया है फिर भी एक करोड़ ७७ लाख रुपए बचा है। आज मेरे बयान दर्ज हुए हैं सुमित वृषिक बहुत समय से गायब चल रहा है इसमें जांच हो रही है। पुलिस अधीक्षक बालाघाट से हमारी अपील है कि वह इस मामले में एसआईटी गठित कर पूरे मामले को ऊपर तक खोलें। क्योंकि उन्होंने लोगों को सरकारी नौकरी लगने का दावा किया था सभी प्रुफ हमारे पास हैं। मैं खुद इस मामले में शिकायत करता हूं अब मुझे भी बहुत परेशानी हो रही है।

नगर मंडल की कामकाजी बैठक

कामकाजी बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ बनाई रणनीति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । भाजपा नगर मंडल की महत्तवपूर्ण कामकाजी बैठक भाजपा कार्यालय में संपन्न हुयी। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के २५ वर्ष सेवा कार्य के अवसर पर १७ सिंतबर से १७ अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें १३ विभिन्न गतिविधियां व कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। साथ ही १७ सिंतबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आशीर्वाद का दिया प्रत्येक हितग्राही के घर पर जलाया जाने के संदर्भ में रणनीति बनायी गयी। बैठक में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जीतेन्द्र मोहारे, अभय कोचर, किशोर अमूले, शैलेन्द्र आहूजा, रीधनलाल चौहान, सरिता मनोज दांदरे, श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीमती रेखा गोखले सहित अन्य लोग मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के १७ सिंतबर जन्मदिवस पर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना के लिये शाम ६ बजे से ७ बजे तक घरो,मंदिरो और संस्थानो में आर्शीवाद का दिया जलाने का आव्हान किया गया है। कामकाजी बैठक में विशेष रूप से श्रीमती श्रीति पालेवार,शीला रेवेकर,मिनाक्षी ठाकरे ,आलोक खरे, मिथुन बुरडे, प्रबल जायसवाल,प्रवीण रूसिया, लोकेश ठाकरे, अरमान खान, मनोज लिल्हारे, जीतू पूरी, सोनू जायसवाल, आकाश चौबे,विक्की ऐडे, सुभाष पारधी, रिंकू चापूकर, विनोद मिश्रा, रामसिंह धाकड,ललित ठाकुर,घनश्याम राउत,ललित ठाकुर, नरेन्द्र परिहार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण खरोले और आभार प्रदर्शन राजू गोयल के द्वारा किया गया।

१० साल में ही जर्जर हुआ शासकीय स्कूल भवन

जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबूदा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के जर्जर भवन को लेकर शाला प्रबंधन समिति और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच और कड़ी कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में शाला प्रबंधन समिति ने बताया की शासकीय माध्यमिक विद्यालय

बदबूदा तहसील वारासिवनी के शासकीय स्कूल भवन का घटिया निर्माण किया गया हैं। इस स्कूल भवन का निर्माण लगभग १० वर्ष पूर्व राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान योजना के तहत लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराया गया था। निर्माण के समय घटिया सामग्री सीमेंट, रेत, ईंट आदि का इस्तेमाल किया गया जिसके कारण महज ५-६ वर्षों में ही भवन की हालत जर्जर होती जा रही हैं। भवन की दीवारों में गहरी दरारें आ चुकी हैं और छत से पानी टपकने के कारण प्लास्टर टूट टूटकर गिर रहा है। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण आईटी कक्ष में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और लैपटॉप खराब हो रहे हैं। छात्र छात्राओं के शौचालय कक्ष टूट.फूट चुके हैं खिड़कियां और दरवाजे पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं तथा कक्षाओं का फर्श उखड़ गया है। इस जर्जर स्थिति के कारण स्कूल में पढ़ रहे बच्चों और शिक्षकों के साथ कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है। इससे पहले भी कई बार संबंधित विभाग को लिखित व मौखिक शिकायतें दी गई लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। हमारी मांग हैं की एक तकनीकी टीम गठित कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाये ,दोषी अधिकारियों व ठेकेदार पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जायें तथा भवन की मरम्मत या नए सुरक्षित भवन के निर्माण हेतु बजट स्वीकृत किया जाये ।इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष संजय कुमार पटले ,सदस्य अशोक मरार ,भरतलाल मोहेश्वर ,यूवराज बनकर, राजेश बनेवार ,सविता मेश्राम ,लिखेश्वर पांडे ,वंदना उके ,ओमकार नागेश्वर ,संदीप चौधरी ,अशोक तिवारी ,गौतम गजभिये ,राजू चौरे ,क्षितिज बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गुणवत्ता बहुत खराब हो गई है, जिससे भवन जर्जर हो गया है-संजय कुमार पटले

अध्यक्ष संजय कुमार पटले ने बताया कि हमारे स्कूल बिल्डिंग की मरम्मत हो या उसका विकल्प निकल जाए। वहां बच्चे पढ़ रहे हैं कभी भी स्कूल भवन में कोई अनहोनी हो सकती है। गुणवत्ता बहुत खराब हो गई है, जिससे भवन जर्जर हो गया है पिछले तीन वर्षों से ऐसा चल रहा है शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्टाफ के द्वारा भी बताया गया है। मैं अभी अध्यक्ष बना हूं सामने स्थिति देखकर चिंतन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है की कोई बीच का रास्ता निकाले। उन्होंने कहा है कि देखते हैं इस और कोशिश करनी चाहिए एक सप्ताह हो गया है । अभी तक कोई जानकारी नहीं आई है और ना ही आदेश आया है। हम तो शासन प्रशासन के सहयोग से स्कूल अच्छा बनाना चाहते हैं।

भवन का निर्माण घटिया सामग्री से किया है जो जर्जर हो चुका है-अशोक मरार

पूर्व जिला पंचायत सदस्य अशोक मरार ने बताया की जिला कलेक्टर को हमने शिकायत किया है कि उच्च माध्यमिक के अंतर्गत रमसा में लोक निर्माण विभाग के द्वारा भवन का निर्माण किया गया था। उसकी स्थिति बहुत खराब है निर्माण के १० वर्ष में ही छत से पानी टपकता है बच्चे वहां अध्ययन नहीं कर पाते दीवार और छत की पपड़ी गिर रही है क्रैक आ गई है। प्रसाधन में काई जम चुकी है अव्यवस्था बनी हुई है समय पर ध्यान नहीं दिया तो बच्चे बैठ नहीं पाएंगे। हम चाहते हैं कि भवन की मरम्मत या नवीन भवन स्वीकृत हो दोषी अधिकारियों ठेकेदार पर कार्यवाही हो। किसी भवन की उम्र ४० वर्ष होती है पर यह १० वर्ष में ही जर्जर हो गई है कुछ जगह बैठने लायक स्थिति नहीं है। हमारी मांग है कि जल्द इसकी मरम्मत कर संबंधित अधिकारी कर्मचारी ठेकेदार पर कानूनी कार्यवाही हो।

जमुनिया बांध की स्थिति पर विधायक गौरव पारधी की पैनी नजर

नहर से पानी निकालकर घटाया जा रहा दबाव, जल संसाधन विभाग की टीम मौके पर तैनात

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । जमुनिया बांध में सामने आए सीपेज के बाद जल संसाधन विभाग ने बांध की निगरानी और बढ़ा दी है। विभाग की टीम मौके पर रहकर बांध के जल स्तर और रिसाव वाले हिस्से की स्थिति पर नजर रख रही है। बांध के पास कर्मचारियों के लिए टेंट लगाए गए हैं, जहां चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है। मंगलवार को विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बांध की मौजूदा स्थिति का निरीक्षण किया।

जल स्तर को घटाने के लिए नहर से पानी छोड़ा जा रहा

बांध पर पानी का दबाव कम रखने के लिए नहर के माध्यम से पानी की निकासी की जा रही है। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार लगातार पानी बाहर निकाले जाने से बांध पर पड़ने वाला दबाव कम करने में मदद मिल रही है। सीपेज वाले स्थान पर भी कर्मचारियों के द्वारा नियमित निगरानी की जा रही है। फि लहाल मौके से किसी नई गंभीर स्थिति की जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

जमुनिया बांध की स्थिति को देखते हुए जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया है। मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी भी बांध का जायजा ले चुके हैं। मंगलवार को भी अधिकारी लगातार मौके पर पहुंचते रहे। तैनात कर्मचारियों को बांध में किसी भी परिवर्तन, रिसाव में वृद्धि या अन्य असामान्य स्थिति की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक गौरव पारधी ने बनेरा में अधिकारियों एवं ग्रामीणों संग ली बैठक

बांध में सीपेज की जानकारी सामने आने के बाद विधायक गौरव सिंह पारधी लगातार जल संसाधन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। वें अधिकारियों से बांध की वर्तमान स्थिति और किए जा रहे उपायों की जानकारी ले रहे हैं। सोमवार देर रात ग्राम बनेरा में हुई बैठक में भी विधायक ने अधिकारियों तथा आस पास के ग्रामीणों के साथ स्थिति पर चर्चा की थी। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया था कि फिलहाल बांध का जल स्तर कम करने के लिए नहर के रास्ते पानी की निकासी की जा रही है। जलस्तर नीचे आने के बाद सीपेज वाले हिस्से की तकनीकी जांच कर उसके कारणों का पता लगाया जाएगा और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्यवाही तय होगी। ग्रामीणों से संयम बनाए रखने तथा अपुष्ट जानकारी या अफवाहों पर भरोसा नहीं करने की अपील की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से बच्चों और पशुओं को नहर के आसपास जाने से रोकने की सलाह भी दी गई है।

एक घंटे की बारिश में सड़क हुई जलमग्न

सविता टॉकीज के सामने जलभराव से राहगीर और रहवासी परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नगर के रामपायली रोड़ स्थित सविता टॉकीज के सामने बुधवार को करीब एक घंटे हुई तेज बारिश के बाद सड़क पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण करीब ५० मीटर के दायरे में सड़क पर पानी जमा रहा। जिससें राहगीरों, वाहन चालकों और सड़क किनारे निवासरत लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नागरिकों ने स्थानीय प्रशासन से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था किए जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह से ही नगर में तेज धूप और उमस का वातावरण बना हुआ था। दोपहर करीब १२.३० बजे अचानक मौसम बदला और आसमान में काले बादल छा गए। इसके कुछ ही देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई जो करीब एक घंटे तक जारी रही। बारिश के दौरान रामपायली रोड स्थित सविता टॉकीज के सामने सड़क पर पानी तेजी से जमा होने लगा और देखते ही देखते जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई। सड़क पर पानी जमा होने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को परेशानी हुई। वहीं वाहनों के आवागमन के दौरान सड़क पर जमा पानी उछलकर पैदल चलने वाले लोगों तथा सड़क किनारे स्थित दुकानों और मकानों तक पहुंचता रहा। सड़क किनारे रहने वाले लोगों के घरों के दरवाजों तक पानी पहुंचने से उन्हें भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सविता टॉकीज के सामने जलभराव की समस्या नई नहीं है। बीते कई वर्षों से बारिश के दौरान इस स्थान पर इसी प्रकार की स्थिति बनती आ रही है। पानी निकासी की पुख्ता व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी देर की तेज बारिश में ही सड़क पर पानी जमा हो जाता है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पूर्व प्रशासन के द्वारा पानी निकासी के उद्देश्य से डिवाइडर को बीच से काटकर पानी को दूसरी ओर निकालने का प्रयास किया गया था लेकिन यह व्यवस्था भी प्रभावी साबित नहीं हुई। नाली के दोनों ओर पानी निकासी के छोर पर्याप्त रूप से खुले नहीं होने के कारण पानी आगे नहीं निकल पाता और ओवरफ्लो होकर सड़क पर जमा हो जाता है। बार बार उत्पन्न होने वाली इस समस्या से राहगीरों और स्थानीय रहवासियों में परेशानी बनी हुई है। नागरिकों ने प्रशासन से व्यवस्था बनाने की मांग की है कि मौके पर जलभराव की स्थिति निर्मित नही हो और लोगों को हर वर्ष होने वाली परेशानी से राहत मिल सके। राहगीर जयराम गौतम ने बताया कि यह रामपायली रोड सविता टॉकीज के सामने का स्थान है जहां थोड़ी बहुत बारिश में भी जलभराव की स्थिति निर्मित हो जाती है। अभी फिर से यहां पानी बहुत जाम हो गया है जिससे रहागीरो को समस्या हो रही है यह मुख्य मार्ग है। जहां से राहगीर नगरवासी ग्रामीण विद्यार्थी सभी आना जाना करते हैं। नगर पालिका के द्वारा अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है यहां मूल समस्या पानी निकासी की है जो नहीं होने के कारण स्थिति इतनी बिगड़ गई है। प्रशासन को पानी निकासी की व्यवस्था बनाना चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि गुरुवार को उक्त स्थल का मौका निरीक्षण कर कारण का पता कर स्थाई निराकरण करने प्रयास किया जायेगा।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी वारासिवनी

सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नगर पालिका परिषद के द्वारा शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान २०२६ का शुभारंभ १७ सितंबर को किया जाएगा। अभियान १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक चलेगा। शुभारंभ अवसर पर शाम ७ बजे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घरों सहित नगर के प्रमुख स्थलों पर करीब ८ हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। अभियान के दौरान स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण,पौधरोपण, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, लोक कल्याण मेले एवं २५ मिनट सेवा सहित विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा और मेटा की जवाबदेही

सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रसार को लेकर केंद्र सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा(अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी) का भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों की जानकारी देने पर सहमत होना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसे मंजिल के बजाय एक लंबी लड़ाई की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। आज का युग डिजिटल युग है और इस डिजिटल युग में डिजिटल दुनिया के बढ़ते खतरों से बच्चों को बचाने के लिए तकनीकी कंपनियों, सरकार और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच जवाबदेही का स्पष्ट तंत्र बनाना अब जरूरी हो गया है। दरअसल, जुलाई 2026 में सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण एवं दुरुपयोग से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले कथित विज्ञापनों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा-फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मूल कंपनी के अधिकारियों को तलब किया तथा संबंधित विज्ञापनों और सामग्री को हटाने और यह स्पष्ट करने को कहा कि ऐसी सामग्री उसके मंच पर कैसे उपलब्ध हुई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए मेटा के अधिकारियों से जवाब मांगा और इसके वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया। इस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) ने आपत्तिजनक सामग्री तैयार करना पहले की तुलना में आसान बना दिया है। सरल शब्दों में कहें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल ने जहां रचनात्मकता और तकनीकी क्षमताओं को नई ऊंचाई दी है, वहीं इसके दुरुपयोग से आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्री तैयार करना भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। वास्तव में, तकनीक का यह दुरुपयोग केवल सामग्री के प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बच्चों को निशाना बनाने वाले नए तौर-तरीकों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल ऐसी सामग्री को हटाने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तव में, उन्हें ऐसी सामग्री तैयार करने, प्रसारित करने या उसके लिए उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करने वाले खातों और नेटवर्क की पहचान करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को समय रहते आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। भारत सरकार ने इस मामले में स्पष्ट किया है कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया मंचों को भारतीय कानूनों और नियामकीय व्यवस्था का पालन करना होगा। सरकार और मेटा के बीच हुई चर्चाओं में बाल यौन शोषण सामग्री चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल-सीएसएएम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) से निर्मित आपत्तिजनक सामग्री, डीपफेक, सामग्री की निगरानी, एल्गोरिदम और मानवीय निगरानी जैसे मुद्दे प्रमुख रहे हैं। गौरतलब है कि 2026 में लागू और संशोधित नियामकीय व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया मध्यस्थों पर अवैध और हानिकारक सामग्री के विरुद्ध अधिक कठोर दायित्व निर्धारित किए गए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार या सक्षम न्यायालय के निर्देश पर ऐसी सामग्री को हटाने की समय-सीमा भी घटाकर तीन घंटे की गई है। इतना ही नहीं, गैर-सहमति वाली निजी अथवा अंतरंग सामग्री के संबंध में भी कठोर समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस क्रम में हाल ही में, जब यह आलेख लिखा जा रहा है (16 सितंबर 2026 को) सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, मेटा ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से संबंधित मामलों की जानकारी सीधे भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने पर सहमति जताई है, यह स्वागत योग्य है।

साझा ब्रिक्स मुद्रा बनाम डीडॉलराइजेशन-डॉलर के खिलाफ ब्रिक्स का साइलेंट अटैक

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के देशों की अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों के मौजूदा परिदृश्य में ब्रिक्स का डीडॉलराइजेशन एजेंडा दुनियाँ के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संकेत बनकर उभर रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि ब्रिक्स की रणनीति अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप को खुली मुद्रा-युद्ध की चुनौती देने के बजाय कहीं अधिक शांत, व्यावहारिक और दीर्घकालिक दिखाई देती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि यहां सबसे बड़ा सवाल साझा ब्रिक्स मुद्रा का नहीं,बल्कि उस व्यवस्था का है जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार,ऊर्जा खरीद, निवेश और भुगतान के लिए अमेरिकी डॉलर की अनिवार्यता धीरे-धीरे कम की जा सके।भारत,रूस,चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ईरान जैसे देशों के आर्थिक हित भले ही पूरी तरह समान न हों, लेकिन डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की इच्छा कई क्षेत्रों में साझा आधार उपलब्ध कराती है। इसलिए ब्रिक्स का संदेश यह नहीं है कि डॉलर आज खत्म हो जाएगा, बल्कि यह है कि दुनिया के पास डॉलर के अलावा भी विकल्प होने चाहिए। साथियों बात अगर कर हम साझा ब्रिक्स मुद्रा बनाम डीडॉलराइजेशन-असली खेल क्या है? इसको समझने की करें तो, ब्रिक्स की साझा मुद्रा को लेकर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएं होती रही हैं,लेकिन साझा मुद्रा बनाना अत्यंत जटिल प्रक्रिया है।इसके लिए सदस्य देशों के बीच मौद्रिक नीति,विनिमय दर, विदेशी मुद्रा भंडार, केंद्रीय बैंक व्यवस्था,राजकोषीय अनुशासन और राजनीतिक सहमति जैसे अनेक मुद्दों पर गहरा तालमेल आवश्यक होगा। यही कारण है कि तत्काल साझा ब्रिक्स मुद्रा लाने के बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, द्विपक्षीय भुगतान व्यवस्था और सीमा-पार वित्तीय प्रणालियों के विकास पर जोर देना अधिक व्यावहारिक रास्ता दिखाई देता है।यहीं से साझा मुद्रा और डीडॉलराइजेशन के बीच अंतर स्पष्ट होता है। डीडॉलराइजेशन का अर्थ अनिवार्य रूप से डॉलर को समाप्त करना नहीं, बल्कि जहां संभव हो वहां डॉलर की आवश्यकता को कम करना है। यदि भारत और रूस ऊर्जा व्यापार का अधिक हिस्सा अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में कर सकें,यदि ब्रिक्स देश आपसी व्यापार में वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों का उपयोग बढ़ाएं और यदि निवेश तथा सीमा- पार भुगतान के लिए नए वित्तीय ढांचे विकसित हों, तो बिना किसी नई साझा मुद्रा के भी डॉलर की भूमिका कुछ क्षेत्रों में कम हो सकती है। यही रणनीति अपेक्षाकृत कम टकराव वाली और अधिक व्यवहारिक है। साथियों बात अगर हम ब्रिक्स की साइलेंट डीडॉलराइजेशन रणनीति-डॉलर को चुनौती भी, टकराव से बचाव भी इसको समझने की करें तो,ब्रिक्स की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक विशेषता यही हो सकती है कि वह अमेरिका को सीधे चुनौती दिए बिना वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में विकल्पों का विस्तार करे।इसे साइलेंट डीडॉलराइजेशन कहा जा सकता है,हालांकि यह आधिकारिक ब्रिक्स शब्द नहीं, बल्कि इस प्रक्रिया को समझने का विश्लेषणात्मक तरीका है। इसमें किसी एक दिन डॉलर को हटाने का ऐलान नहीं होता; बल्कि छोटे-छोटे कदमों के जरिए राष्ट्रीय मुद्राओं, स्थानीय भुगतान नेटवर्क और वैकल्पिक वित्तीय तंत्रों का उपयोग बढ़ाया जाता है।इस रणनीति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे ब्रिक्स सदस्य देशों को अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से तत्काल पूर्ण अलगाव की आवश्यकता नहीं पड़ती।

डॉलर आज भी वैश्विक व्यापार,विदेशी मुद्रा भंडार, वित्तीय बाजारों और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए ब्रिक्स1के लिए व्यावहारिक रास्ता डॉलर से एक झटके में संबंध तोड़ना नहीं, बल्कि एक ऐसी बहुध्रुवीय वित्तीय व्यवस्था तैयार करना है जिसमें डॉलर अकेला अनिवार्य माध्यम न रहे। यानी नाम डॉलर का कम लिया जाए, लेकिन उसकी अनिवार्यता को चुनौती मिलती रहे। यही वह रणनीति है जिसमें राजनीतिक टकराव सीमित रहते हुए आर्थिक विकल्पों का विस्तार किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम ट्रंप की टैरिफ चेतावनी और ब्रिक्स का शांत जवाब को समझने की करें तो,डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों द्वारा डॉलर की वैश्विक भूमिका को कमजोर करने की किसी भी गंभीर कोशिश के खिलाफ भारी टैरिफ की चेतावनी दी है।इस परिस्थिति में ब्रिक्स के सामने दो रास्ते हो सकते हैं।पहला,अमेरिका के साथ सीधा आर्थिक और मौद्रिक टकराव; दूसरा, बिना किसी औपचारिक डॉलर-विरोधी घोषणा के वैकल्पिक व्यवस्था को धीरे-धीरे मजबूत करना। दूसरा रास्ता राजनीतिक रूप से अधिक सावधान और आर्थिक रूप से अधिक व्यावहारिक दिखाई देता है।यदि ब्रिक्स खुले तौर पर घोषणा कर दे कि वह डॉलर की बादशाहत खत्म करने जा रहा है, तो अमेरिका इसे रणनीतिक आर्थिक चुनौती के रूप में देख सकता है। इसके विपरीत, यदि ब्रिक्स यह कहता रहे कि उसका उद्देश्य डॉलर को खत्म करना नहीं, बल्कि व्यापार में स्थानीय मुद्राओं और वैकल्पिक भुगतान साधनों के विकल्प बढ़ाना है, तो वह एक अलग संदेश देता है। इस स्थिति में अमेरिका के लिए हर कदम का जवाब उसी तीव्रता से देना कठिन हो सकता है। यही कारण है कि ब्रिक्स की वास्तविक ताकत किसी नारे में नहीं, बल्कि व्यवस्था निर्माण में छिपी है। यदि वैकल्पिक तंत्र विश्वसनीय, सस्ता, तेज और बड़े पैमाने पर उपयोगी साबित होते हैं, तो व्यापारिक संस्थाएं और देश स्वाभाविक रूप से उनका सटीकता से इस्तेमाल बढ़ा सकते हैं।

साथियों बात अगर हम पुतिन की भारत यात्रा = ट्रंप के लिए क्या है सबसे बड़ा आर्थिक संदेश? इसको समझने की करें तो,पुतिन की भारत यात्रा और भारत-रूस रणनीतिक संबंधों को केवल पारंपरिक कूटनीतिक संबंधों की दृष्टि से देखना अधूरा होगा। इसके पीछे ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, निवेश और भुगतान व्यवस्था का व्यापक आर्थिक आयाम भी है। भारत रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीदता है और रूस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। ऐसे में दोनों देशों के बीच व्यापार को अधिक कुशल भुगतान प्रणालियों और राष्ट्रीय मुद्राओं के माध्यम से आगे बढ़ाने की संभावनाएं केवल द्विपक्षीय संबंधों का विषय नहीं रहतीं;उनका असर व्यापक वैश्विक वित्तीय व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।ट्रंप के लिए इसका सबसे बड़ा संदेश यह हो सकता है कि अमेरिकी टैरिफ या डॉलर की ताकत के बावजूद बड़े देश अपने आर्थिक हितों के अनुरूप वैकल्पिक रास्ते तलाश सकते हैं। भारत यदि रूस के साथ ऊर्जा और अन्य व्यापारिक संबंधों को मजबूत करता है, रूस यदि एशियाई बाजारों पर अपनी निर्भरता बढ़ाता है और चीन सहित अन्य ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाएं स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन को आगे बढ़ाती हैं, तो वैश्विक व्यापार धीरे-धीरे अधिक बहुध्रुवीय स्वरूप ग्रहण कर सकता है।यह अमेरिका के लिए तत्काल डॉलर संकट नहीं है, लेकिन दीर्घकाल में यह सवाल जरूर खड़ा करता है कि क्या डॉलर की वैश्विक ताकत का आधार केवल उसकी आर्थिक शक्ति है या फिर इस तथ्य में भी है कि दुनिया के पास पर्याप्त विकल्प नहीं हैं। यदि विकल्प बढ़ते हैं, तो तस्वीर बदल सकती है।

साथियों बात अगर हम पुतिन,शी जिनपिंग और ब्रिक्स की रणनीति-क्या डॉलर की बादशाहत छुपे रूप से कमजोर होगी? इसको समझने की करें तो,रूस और चीन दोनों लंबे समय से वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अधिक विविधता की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं।चीन की विशाल व्यापारिक क्षमता, रूस की ऊर्जा शक्ति और भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार—इन तीनों को यदि व्यापक ब्रिक्स वित्तीय सहयोग से जोड़ा जाए, तो एक ऐसी आर्थिक संरचना विकसित हो सकती है जो डॉलर का तत्काल विकल्प न होते हुए भी उसके प्रभाव क्षेत्र को कुछ हद तक सीमित कर सके।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी जरूरी है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों के आर्थिक हित एक जैसे नहीं हैं। चीन और भारत के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा है, रूस और भारत की भुगतान व्यवस्था की अपनी चुनौतियां हैं और अलग- अलग देशों की मुद्राओं की स्थिरता भी समान नहीं है। इसलिए ब्रिक्स डॉलर को खत्म कर देगा कहना अतिशयोक्ति होगी। अधिक सटीक निष्कर्ष यह है कि ब्रिक्स डॉलर-केंद्रित व्यवस्था के समानांतर विकल्प विकसित करने की कोशिश कर रहा है।यही विकल्प यदि ऊर्जा,वस्तुओं, निवेश और सीमा-पार भुगतान जैसे बड़े क्षेत्रों में सफल होते हैं, तो डॉलर का उपयोग समाप्त हुए बिना भी उसकी सापेक्षिक अनिवार्यता सटिका से कम हो सकती है।

साथियों बात अगर हम सांप भी मरे और लाठी भी न टूटे ब्रिक्स का असली मास्टरस्ट्रोक? को समझने की करें तो,पूरी रणनीति को यदि एक वाक्य में समझना हो तो कहा जा सकता है,ब्रिक्स डॉलर को गिराने की घोषणा करने के बजाय डॉलर के बिना कुछ काम करने की क्षमता बढ़ाना चाहता है। यही सांप भी मरे और लाठी भी न टूटे वाली रणनीति है। अमेरिका कह सकता है कि डॉलर अभी सुरक्षित है; ब्रिक्स कह सकता है कि उसका उद्देश्य डॉलर को समाप्त करना नहीं है; लेकिन इसी बीच यदि व्यापार का एक हिस्सा राष्ट्रीय मुद्राओं में स्थानांतरित होता है, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां मजबूत होती हैं और वित्तीय सहयोग बढ़ता है, तो आर्थिक व्यवहार स्वयं बदलाव की कहानी लिख सकता है।इसलिए आने वाले वर्षों में असली मुकाबला शायद कौन सी मुद्रा दुनिया की नंबर-वन मुद्रा होगी? से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होकर कितने विकल्पों के बीच दुनिया अपना व्यापार कर सकती है? का हो सकता है। डॉलर की बादशाहत केवल किसी ब्रिक्स घोषणा से खत्म नहीं होगी और न ही कोई साझा ब्रिक्स मुद्रा रातोंरात वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बदल देगी। लेकिन यदि ब्रिक्स धीरे-धीरे ऐसा नेटवर्क तैयार कर देता है जिसमें ऊर्जा, व्यापार, निवेश और भुगतान के लिए डॉलर की आवश्यकता कुछ क्षेत्रों में कम हो जाए, तो अमेरिकी मुद्रा की वैश्विक भूमिका पर दीर्घकालीन दबाव अवश्य बन सकता है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

आतंकवाद के खिलाफ कश्मीर में निर्णायक शिकंजा

-कांतिलाल मांडोत

कुलगाम और शोपियां में छापेमारी से साफ संदेश आतंक के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की तैयारी

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। घाटी में आतंकवाद को केवल बंदूक उठाने वाले आतंकियों तक सीमित मानने के बजाय उनके पूरे सहयोगी तंत्र को निशाना बनाया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत रविवार को काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर के नेतृत्व में कुलगाम और शोपियां सहित कई इलाकों में संदिग्ध ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। शोपियां के नादिगाम क्षेत्र में दिवंगत गुलाम हसन गनी के बेटे इरफान अहमद गनी के मकान पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने दबिश दी। इस कार्रवाई का उद्देश्य आतंकवाद से जुड़े संवेदनशील मामले की कड़ियों को जोड़ना और उसके पीछे सक्रिय नेटवर्क की पहचान करना बताया गया है। कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई अब उस दौर से आगे बढ़ चुकी है, जिसमें केवल किसी हमले के बाद आतंकियों की तलाश की जाती थी। सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकवाद की पूरी संरचना को समझकर उस पर एक साथ प्रहार कर रही हैं। आतंकवादियों को हथियार उपलब्ध कराने वालों से लेकर उन्हें सुरक्षित ठिकाना देने वालों, आर्थिक मदद पहुंचाने वालों और सीमा पार बैठे आकाओं के निर्देशों को जमीन पर लागू करने वाले स्थानीय सहयोगियों तक जांच का दायरा बढ़ाया गया है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में तलाशी और गिरफ्तारी की कार्रवाई लगातार दिखाई दे रही है। शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी सीमा पार आतंकी साजिश के मामले में कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर सहित दस स्थानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसियों के अनुसार इस मामले की कड़ियां पाकिस्तान में बैठे लश्कर के आकाओं और घाटी में सक्रिय उनके स्थानीय सहयोगी तंत्र से जुड़ी हुई हैं। ये स्थानीय सहयोगी आतंकवादियों को घुसपैठ के बाद रसद, हथियार और दूसरी जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में भूमिका निभाते हैं। ऐसे नेटवर्क को समाप्त करना आतंकवाद के खिलाफ स्थायी सफलता के लिए बेहद जरूरी है। आतंकवाद की चुनौती को समझने के लिए कश्मीर की भौगोलिक और सामरिक स्थिति को भी देखना होगा। जम्मू-कश्मीर लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का सामना करता आया है। नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास की संवेदनशील परिस्थितियों का फायदा उठाकर आतंकवादी संगठनों ने समय-समय पर घुसपैठ की कोशिश की है। सीमा पार बैठे आतंकी संगठनों के लिए स्थानीय सहयोगी नेटवर्क किसी भी साजिश को जमीन पर उतारने का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदा रणनीति में इन सहयोगियों की पहचान और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इस पूरे अभियान में स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। किसी भी आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए केवल केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती। स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और जमीन पर उपलब्ध सूचनाओं का सही इस्तेमाल अभियान की सफलता में निर्णायक भूमिका निभाता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच बेहतर तालमेल से आतंकवादियों और उनके मददगारों तक पहुंचने में सुरक्षा एजेंसियों को सहायता मिल रही है। इस मामले में 31 मार्च 2026 को एक नाके पर लश्कर से जुड़े एक ओवर ग्राउंड वर्कर की गिरफ्तारी के बाद जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिली थी। उसके कब्जे से हैंड ग्रेनेड और कारतूस बरामद किए गए थे। इसके बाद जांच आगे बढ़ी और आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों को तलाशने का सिलसिला तेज हुआ। किसी एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उससे जुड़े संपर्कों, वित्तीय गतिविधियों, हथियारों की आपूर्ति और दूसरे सहयोगियों की जानकारी सामने आना जांच का स्वाभाविक हिस्सा है। इसी आधार पर अब अलग-अलग स्थानों पर तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद की स्थिति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकवाद के पारंपरिक ढांचे के साथ-साथ उसके नए तरीकों पर भी नजर रख रही हैं। आतंकवादी संगठनों की कोशिश रहती है कि स्थानीय स्तर पर ऐसा नेटवर्क तैयार किया जाए जो सीधे हथियार उठाए बिना आतंकियों की सहायता करता रहे। यही नेटवर्क आतंकवादियों के लिए सूचना, आवागमन, ठिकाने और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था कर सकता है। ऐसे तंत्र को कमजोर करने से आतंकवादियों की गतिविधियों पर सीधा असर पड़ता है। सरकार की ओर से आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में संरक्षण या सहायता देने वालों के प्रति नरमी नहीं बरती जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों की मौजूदा कार्रवाई इसी नीति को जमीन पर लागू करने की दिशा में दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल मुठभेड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके आर्थिक, सामाजिक और संगठनात्मक आधार को कमजोर करना भी उतना ही जरूरी है। कश्मीर में पिछले वर्षों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आतंकवादी नेटवर्क पर दबाव बढ़ा है। हालांकि चुनौती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। सीमा पार से आतंकवाद को समर्थन देने की कोशिशें अभी भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय हैं। ऐसे में खुफिया तंत्र को मजबूत करना, सीमा सुरक्षा को प्रभावी बनाना और स्थानीय स्तर पर संदिग्ध नेटवर्क की पहचान करना लगातार आवश्यक बना रहेगा। कश्मीर के आम नागरिकों के लिए भी आतंकवाद के खिलाफ यह कार्रवाई महत्वपूर्ण है। लंबे समय से हिंसा और अस्थिरता का सबसे बड़ा नुकसान सामान्य नागरिकों को उठाना पड़ा है। आतंकवाद का असर शिक्षा, रोजगार, व्यापार, पर्यटन और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। जब सुरक्षा वातावरण मजबूत होता है तो सामान्य जीवन को गति मिलती है और विकास की गतिविधियां भी तेजी से आगे बढ़ती हैं। इसलिए आतंकवाद के नेटवर्क को कमजोर करना केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि कश्मीर के सामाजिक और आर्थिक भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। कुलगाम और शोपियां में हुई ताजा छापेमारी इस व्यापक रणनीति का हिस्सा है। जांच एजेंसियां आतंकवाद की प्रत्येक कड़ी को तलाश रही हैं और सीमा पार से संचालित साजिशों तथा स्थानीय सहयोगी नेटवर्क के बीच संबंधों की जांच कर रही हैं। आने वाले दिनों में इन तलाशी अभियानों से और तथ्य सामने आ सकते हैं। जरूरत इस बात की है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह प्रमाण आधारित और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप आगे बढ़े।

जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति का रास्ता आतंकवाद के कमजोर होने से ही मजबूत होगा। सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता, स्थानीय पुलिस की सक्रियता और सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति मिलकर आतंकवाद के उस तंत्र को चुनौती दे रही है, जो वर्षों से घाटी की शांति को नुकसान पहुंचाता रहा है। अब लड़ाई केवल आतंकियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि आतंकवाद को पैदा करने वाले पूरे नेटवर्क को समाप्त करने की है। यही रणनीति कश्मीर में स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास की नींव को और मजबूत कर सकती है।

ब्रिक्स से भारत को क्या लाभ

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पत्रों एवं 140 बिंदुओं के ꠰नई दिल्ली घोषणापत्र꠰ को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए। भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और

पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए ꠰ब्रिक्स कनेक्ट꠰ के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से BRICS MSME पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे है और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी। ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है।

सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी-20, जी-7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग को रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए। भारत आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। इस क्षेत्र के देश भारत पर भरोसा करने लगे हैं। इससे भारतीय रुपए की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ सकती है क्योंकि ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूपीआई एवं रूपे कार्ड की स्वीकार्यता कई देशों में अब बढ़ रही है। आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने से भारतीय रुपए को मजबूती मिलेगी एवं इससे मंहगाई बढ़ने की गति कम होगी। ब्रिक्स ने वर्ष 2015 में डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की थी। इस बैंक ने भारत को 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रदान किया है। इस ऋणराशि का उपयोग मुंबई मेट्रो लाइन डालने के लिया किया जा रहा है। इंदौर में मेट्रो भी इसी ऋण से बनी है। दिल्ली-गाजियाबाद क्षेत्रीय रेल्वे लाइन इसी ऋण से बिछाई गई है। कुल मिलाकर भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने में ब्रिक्स द्वारा स्थापित उक्त बैंक का महत्वपूर्ण योगदान है।

- प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सुस्त लेवाली के चलते बुधवार को दलहनों में चना नरमी पर रहा। मसूर व उड़द में बाजार मजबूत रहे। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। खाद्य तेलों व तिलहनों में सुर्खी रही। किन्तु तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार लेवाली सुस्त रहने से बाजार 50 रू. क्विंटल कमजोर पड़े। वहीं, मसूर व उड़द में मजबूती कायम रही। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। शक्कर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में मजबूती बनी। वहीं, तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटाकर बोला गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4700-4800, खोपरा गोला 330-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारी?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1380-1390, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1610, धूलिया 1610, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1505-1510, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6700-6800, एवरेज 6500-6550, विशाल 6500-6600, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार सुधार के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 231000, चाँदी (99) 230800, टंच 230200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149000,

बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 फीसदी चढ़ा। आरबीआई के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 फीसदी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 फीसदी, टाटा एल्क्सी का 4.28 फीसदी, टाटा पावर का 3.41 फीसदी, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 फीसदी, टाटा स्टील का 1.96 फीसदी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 फीसदी चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि आरबीआई ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 332.63 अंक टूटकर 74,336.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.00 अंक की तेजी के साथ ही 23,217.60 पर बंद हुआ। आज बीएसई के कुल 4561 शेयरों में तेजी रही जबकि 2344 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में जिन शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त आई है उनमें एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, आईटीसी, एक्सिस बैंक और एसबीआई शामिल थे। इसके विपरीत, टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व जैसे प्रमुख शेयरों में गिरावट रही। आज आईटी और फार्मा को छोड़कर लगभग सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। विशेष रूप से, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 फीसदी से अधिक की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स

बिना किसी बड़े बदलाव के बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में हल्की गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में इस तेजी के पीछे कई कारण जिम्मेदार रहे। प्रमुख कारणों में से एक वैल्यू बाइंग थी, जो लगातार दो कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद निचले स्तरों पर देखी गई। वहीं विश्लेषकों का मानना है कि निफ्टी 50 और सेंसेक्स दोनों ही ओवरसोल्ड क्षेत्र में थे, जिसने मौजूदा स्तरों से तकनीकी उछाल (टेक्निकल बाउंस) की संभावना को जन्म दिया। आज बाजार को आगे बढ़ाने में एफएमसीजी, ऑटो और फाइनेंशियल शेयरों में हुई खरीदारी का सबसे अधिक योगदान रहा। विशेष रूप से, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में पिछले पांच सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की गई। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी जैसी प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में लगभग 2फीसदी की तेजी आई, जिससे वे निफ्टी 50 के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे। जानकारों के अनुसार, संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर मूल्य संरचना के कारण बाजार के सेंटिमेंट पर दबाव बना हुआ है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर, तेल कंपनियों ने नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी। आज यानी बुधवार को घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें पूरी तरह स्थिर हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने इनमें कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं, कमर्शियल सिलेंडर के रेट इस महीने की पहली तारीख को बदले गए थे। तब कीमतों में मामूली 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के रेट आखिरी बार 7 जून 2026 को बदले थे। उस दौरान कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, तब से लेकर अब तक कीमतें पूरी तरह से स्थिर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 7 मार्च 2026- भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय क्रूड ऑयल मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव के कारण कीमतों में 60 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। 7 जून 2026 को कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में रेट बढ़कर 913 से 942 रुपए हो गए थे। यमन के ईरान-समर्थक हूथी विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के बुनियादी ढांचे और तेल रिफाइनरियों पर किए गए ताजा हमलों के बाद वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ गई है। इन हमलों से सप्लाई में रुकावट आने की आशंका गहरा गई है, जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई और अमेरिकी तेल डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 105 डॉलर के स्तर को पार कर गया। आज भी क्रूड ऑयल अपने ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक मानक माना जाने वाला ब्रेंट क्रूड 107.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट की कीमत 104.86 डॉलर प्रति बैरल है।

आरबीआई ने डॉलर-रुपया की अदला-बदली सुविधा से 136.37 अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि उसने अपनी विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत 136.37 अरब डॉलर रकम जुटाई है। इसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी या एफसीएनआर (बी) जमा की हिस्सेदारी 127.23 अरब डॉलर रही है। यह कुल रकम का 93 फीसदी है। आरबीआई को उम्मीद से कहीं ज्यादा रकम मिली और यही वजह रही कि उसने एफसीएनआर (बी) स्वैप सुविधा एक महीने पहले ही बंद कर दी थी। विदेशी मुद्रा का इतना बड़ा प्रवाह भुगतान संतुलन और रुपया दोनों को बहुत जरूरी मदद देता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह पहली बार नहीं है जब ऐसी कोई योजना शुरू की गई है। 2013 में 'टेपर टैंट्रम' के बाद भी ऐसी ही एक योजना शुरू की गई थी। हालांकि, 2013 के उलट इस बार यह योजना ऐसे समय में शुरू की गई है जब बाजार को इस साल भुगतान संतुलन सुनिश्चित करने के लिए रकम की जरूरत महसूस हो सकती है। हालांकि, 2013 के विपरीत चालू खाते का घाटा मामूली स्तर पर बना हुआ है। यह वर्ष 2023-24 में जीडीपी का 0.7 फीसदी और वर्ष 2024-25 में 0.6 फीसदी पर रहा। कैलेंडर वर्ष 2025 में करीब 19 अरब डॉलर का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश देश से बाहर निकल गया था और वर्ष 2026 में अब तक करीब 25 अरब डॉलर रकम भारतीय बाजार से बाहर हो चुकी है। अकेले मार्च 2026 में 13 अरब डॉलर रकम की निकासी हुई। बड़ी मात्रा में पूंजी बाहर निकलने और देश से बाहर होने वाले एफडीआई के कारण वर्ष 2024-25 में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बहुत कम यानी करीब 0.4 अरब डॉलर रह गया। मई 2026 में रुपया गिरकर प्रति डॉलर करीब 97 के नए निचले स्तर पर आ गया और उसके बाद भी दबाव में रहा। इस लिहाज से एफसीएनआर (बी) सुविधा के तहत जुटाए गए विदेशी मुद्रा भंडार ने बहुत राहत दी है लेकिन बिना और समय गंवाए दीर्घ अवधि की चिंताएं दूर करने की जरूरत है।

मेष- आज मन कुछ ज्यादा ही चंचल रह सकता है। भावनाओं में बहकर लिया गया कोई फैसला बाद में परेशानी खड़ी कर सकता है, इसलिए जरूरी है कि बड़े निर्णय लेते समय दिल के साथ दिमाग की भी सुनें। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में दिन सामान्य रहेगा, जबकि व्यापार से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए सूर्य को जल देना शुभ रहेगा।

वृषभ- घर-परिवार से जुड़े मामलों में आज थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। भूमि, मकान या वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो कुछ अड़चन सामने आ सकती हैं। आपका और माता का स्वास्थ्य भी ध्यान मांग रहा है। मन में चिंता बनी रह सकती है, हालांकि व्यापार की स्थिति संभली हुई रहेगी। मां काली का स्मरण करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मिथुन- आज आपका साहस और पराक्रम आपको आगे बढ़ाएगा, लेकिन जरूरत से ज्यादा उत्साह भी नुकसान करा सकता है। किसी काम को साबित करने की जिद में अपनी क्षमता से अधिक दबाव न लें। नाक, कान या गले से जुड़ी परेशानी परेशान कर सकती है। अच्छी बात यह है कि प्रेम और संतान के मामले में दिन बेहद सकारात्मक रहेगा और व्यापार में भी लाभ के संकेत हैं। मां काली को प्रणाम करना शुभ रहेगा।

कर्क- आज पैसों के मामले में थोड़ी सावधानी ही समझदारी है। लेनदेन और निवेश से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा, क्योंकि धन हानि की आशंका बन रही है। मुंह या दांत से जुड़ी परेशानी हो तो लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लें। प्रेम और संतान के मामले में सुखद स्थिति बनेगी, वहीं व्यापार में भी लाभ मिल सकता है। अपने पास लाल रंग की कोई वस्तु रखना शुभ रहेगा।

सिंह- आज मन में घबराहट और बेचैनी कुछ ज्यादा रह सकती है। छोटी-छोटी बातों का मानसिक दबाव न बनने दें और खुद को आराम देने का प्रयास करें। राहत की बात यह है कि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में परिस्थितियां काफी अच्छी रहेंगी। व्यापार में भी शानदार परिणाम मिल सकते हैं और सरकारी क्षेत्र से जुड़े किसी काम में लाभ की संभावना है। सुबह सूर्य को जल देना विशेष शुभ रहेगा।

कन्या- आज अनावश्यक खर्च आपकी चिंता बढ़ा सकते हैं, इसलिए जरूरत और इच्छा के बीच फर्क समझकर ही पैसा खर्च करें। सिरदर्द और आंखों से जुड़ी परेशानी परेशान कर सकती है। मन में किसी अनजाने डर या मानसिक दबाव का असर भी दिखाई दे सकता है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में धीरे-धीरे सुधार होगा और व्यापार भी अच्छी गति से आगे बढ़ेगा। लाल रंग की वस्तु का दान करना शुभ रहेगा।

तुला- आज आपकी आर्थिक स्थिति में नया मोड़ आ सकता है। कमाई के नए रास्ते खुलेंगे और पुराने निवेश से भी फायदा मिलने की संभावना है। यात्रा थोड़ी थकाऊ या परेशान करने वाली हो सकती है, लेकिन इससे कोई महत्वपूर्ण लाभ भी मिल सकता है। प्रेम और संतान से जुड़े मामले सामान्य रहेंगे और व्यापार में अच्छे परिणाम मिलेंगे। शनिदेव का स्मरण करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृश्चिक- आज कोर्ट-कचहरी या कानूनी विवाद से जुड़े मामलों में उलझन बनी रह सकती है। किसी मामले में तुरंत और स्पष्ट जीत मिलने की उम्मीद कम है, इसलिए धैर्य रखना जरूरी होगा। प्रेम, संतान और व्यापार के मामले में दिन मिला-जुला रहेगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। सूर्य को जल देना आपके लिए सकारात्मक रहेगा।

धनु- आज यात्रा करते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि सफर से परेशानी या नुकसान की आशंका है। केवल भाग्य के भरोसे कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करना उचित नहीं होगा। किसी स्थिति में मान-सम्मान को लेकर चिंता या अपमान का भय मन को परेशान कर सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, जबकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में अच्छी खबर मिल सकती है। बजरंग बली का स्मरण करना शुभ रहेगा।

मकर- आज परिस्थितियां आपके पक्ष में आसानी से आती हुई नजर नहीं आएंगी। इसलिए जोखिम उठाने के बजाय समझदारी से कदम बढ़ाना ही बेहतर होगा। किसी भी बड़े निवेश, विवाद या जल्दबाजी वाले फैसले से दूरी रखें। प्रेम और संतान का साथ आपको मानसिक राहत देगा और व्यापार भी ठीक चलता रहेगा। मां काली का स्मरण करने से मनोबल बढ़ेगा।

कुंभ- आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए उनकी सेहत को नजरअंदाज न करें। प्रेम और संतान से जुड़े मामले संतोषजनक रहेंगे। व्यापार में भी स्थिति अच्छी रह सकती है, लेकिन नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर कुछ नुकसान या परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। तांबे की वस्तु का दान करना शुभ रहेगा।

मीन- आज का दिन थोड़ा परेशान करने वाला रह सकता है। स्वास्थ्य के साथ-साथ प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में भी उतार-चढ़ाव महसूस हो सकता है। मन को शांत रखना और छोटी बातों को जरूरत से ज्यादा गंभीर न बनाना ही बेहतर होगा। व्यापार की स्थिति फिलहाल सामान्य बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8393

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
जी	ड	ल	कु	म	द	वे	न	जो	शी	आ
क	ऑ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	व	प	म

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल

शब्दजाल - 8392 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7327

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरुख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरुद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नज़र' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नज़र' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेंद्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज हम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावालों शराबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, गौरा, विवेक, करीना, विपाशा की 'कोई कहां जाए' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं ऑफिस हमारा गिला जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फवाद खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'यह दुल्हन बनी चांद दुल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, विश्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वास राव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई पर्दा आरी नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'साथ रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली-7326

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8851

बाएँ से दाएँ

1.शमशीर,कृपाण-4
4.उपद्रवी,आतंकी-4
6.अनुबंध,संधि-3
8.धोखा,छल,मक्कारी-3
9.चांदी-3
11.अश्रु-2
13.नीचता-5
15.कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16.पुराना जुकाम-3
18.प्रश्न-3
19.चांदी-3
20.जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22.बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा,कहासुनी-4
2.संगीत यंत्र-2
3.बहुत बड़ा,विशाल-3
4.अपनत्व,अपनापा-5
5.अनबन,झगड़ा-4
7.कपड़े धोनेवाला-3
10.तहजीबदार-5
12.अकस्मात,सहसा-4
14.दृष्टि,निगाह-3
17.बेमिसाल,अनूठा-4
18.बलवान-3
21.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -8850 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.51 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	08.02 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.16 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.32 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.38 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.24 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.27 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.08 बजे से
		मिथुन	23.06 बजे से
		कर्क	01.19 बजे से
		सिंह	03.35 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 260 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल
तिथि षष्ठी 10.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 19.54 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 12.50 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.48 बजे तदनन्तर गर 23.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872835
जूलियन दिन 2461300.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रबि उस्सानी
तारीख 05
विशेष कन्या संक्रांति, विश्वकर्मा पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दार्शनिक का साहस

यह घटना उस समय की है, जब तैमूरलंग लोगों को पकड़कर अपना गुलाम बनाता फिरता था। वह उन्हें बेचने के लिए खुद ही मोलभाव भी करता था। लोग तैमूरलंग के अत्याचारों से परेशान थे और उससे बचने के लिए इधर-उधर भागते रहते थे। जैसे ही तैमूरलंग बाहर निकलता वैसे ही लोगों में भगदड़ मच जाती। ऐसे ही एक दिन वह लोगों को पकड़कर गुलाम बनाने के लिए निकला। उसे देखते ही हर ओर शोर मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे। तैमूरलंग के सैनिकों ने लूटपाट शुरू कर दी। इसी दौरान उसके सैनिकों ने अनेक लोगों को दबोच लिया और पकड़कर अपने साथ ले आए। उन्हीं लोगों में तुर्किस्तान के दार्शनिक अहमदी भी थे। तैमूरलंग ने दार्शनिक अहमदी की तरफदेखते हुए एक व्यक्ति की ओर इशारा किया और कहा, 'बताओ, पास में खड़े इस व्यक्ति की क्या कीमत होगी?' दार्शनिक अहमदी ने व्यक्ति को देखा और निर्भीकता से तैमूरलंग से बोले, 'यह शख्स काफी समझदार व शिक्षित मालूम पड़ता है, इसलिए इसकी कीमत चार हजार अशर्फी से कम नहीं हो सकती।' यह सुनकर तैमूरलंग ने और भी व्यक्तियों की कीमत अहमदी से पूछी। वे अपने अनुसार व्यक्ति को देखकर उनकी कीमत बताते रहे। तैमूरलंग को तभी न जाने क्या सूझा। उसने अहमदी से पूछा, 'अच्छा बताओ, मेरी कीमत क्या होगी?' तैमूरलंग का यह प्रश्न सुनकर उसके सभी सैनिक चौंक गए। वह सोचने लगे कि आखिर तैमूरलंग ने ऐसा क्यों पूछा। कहीं वह विक्षिप्त तो नहीं हो गया। दार्शनिक अहमदी ने प्रश्न सुनकर तैमूरलंग की ओर देखा और निर्भीकता से बोले, 'दो अशर्फी।' यह सुनकर गुस्से में गरजता हुआ तैमूर बोला, 'मेरी इतनी बेइज्जती। इतने पैसों की तो मेरी चादर है।' इस पर अहमदी बोले, 'बिल्कुल ठीक। यह कीमत मैंने तुम्हारी चादर की ही बताई है। तुम्हारे जैसे अत्याचारी शासक के लिए कोई एक धेला भी खर्च नहीं करेगा।' तैमूरलंग दार्शनिक अहमदी की निर्भीकता देखकर दंग रह गया और उसने उसी क्षण उन्हें बंधन मुक्त कर दिया।

सूडोकु नवताल- 7636

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7635 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

ग्राम रोजगार सहायकों ने सौंपा ज्ञापन

1 अक्टूबर तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो 2 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी

ग्राम रोजगार सहायकों ने पंचायत सहायक सचिव पद पर आमेलन और पंचायत सचिवों के समान सुविधाओं की मांग उठाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश के ग्राम रोजगार सहायकों ने शासन से उन्हें पंचायत सहायक सचिव के पद पर आमेलित करने तथा पंचायत सचिवों के समान वेतनमान, सेवा शर्तों और अन्य सुविधाओं का लाभ देने की मांग की है। इस संबंध में 16 सितंबर को जनपद पंचायत लांजी के समस्त ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों पर शीघ्र आदेश जारी करने की मांग की गई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि 1 अक्टूबर 2026 तक मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो 2 अक्टूबर से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून 2023 को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित ग्राम रोजगार सहायकों की महापंचायत में घोषणा क्रमांक सी-2494 की गई थी। इसमें ग्राम रोजगार सहायकों की नियुक्ति, स्थानांतरण सहित अन्य प्रक्रियाएं पंचायत सचिवों के समान किए जाने की बात कही गई थी। संगठन का कहना है कि घोषणा के पालन में अब तक अपेक्षित आदेश जारी नहीं हुए हैं।

कई बैठकों और आश्वासनों के बाद भी आदेश का इंतजार

संगठन ने ज्ञापन में कहा कि घोषणाओं और ग्राम रोजगार सहायकों की मांगों के निराकरण के लिए शासन स्तर पर समिति का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में विभिन्न मांगों पर दस्तावेजों सहित चर्चा भी हुई। इसके बावजूद लंबे समय बाद भी मांगों के संबंध में आदेश जारी नहीं हुए हैं। ज्ञापन के अनुसार पंचायत मंत्री, मुख्यमंत्री तथा अन्य स्तरों पर ग्राम रोजगार सहायकों के प्रतिनिधिमंडल की बैठकों में लंबित मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया गया। 24 जुलाई 2026 के मंत्री कार्यालय के पत्र तथा 18 अगस्त 2026 को हुई बैठक में भी ग्राम रोजगार सहायकों को पंचायत सहायक सचिव पद पर आमेलन, सेवा शर्तों के निर्धारण, अनुकंपा नियुक्ति, अनुग्रह सहायता राशि, एनपीएस/ईपीएफ कटौती और आयुष्मान योजना जैसे मुद्दों पर कार्रवाई के निर्देश दिए जाने का उल्लेख किया गया है। संगठन का दावा है कि इसके बावजूद अभी तक मांगों के पक्ष में आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

मृत कर्मचारियों के आश्रितों के लिए भी उठाई आवाज

ज्ञापन में ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए ग्राम रोजगार सहायकों के आश्रित परिवारों के लिए अनुकंपा नियुक्ति और अनुग्रह सहायता का प्रावधान करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। संगठन ने कहा कि कार्य के दबाव और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लगातार काम करने के बावजूद ग्राम रोजगार सहायकों को अपेक्षित सेवा सुरक्षा नहीं मिल रही है।

2 अक्टूबर से चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

संयुक्त मोर्चे ने कहा कि प्रदेश के करीब 23 हजार ग्राम रोजगार सहायक लंबे समय से अपनी मांगों के निराकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संगठन के अनुसार सरकार की योजनाओं को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने में ग्राम रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बावजूद मांगों पर निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि 1 अक्टूबर 2026 तक पंचायत सहायक सचिव पद पर आमेलन और अन्य मांगों के संबंध में आदेश जारी नहीं हुए, तो 2 अक्टूबर से कलमबंद हड़ताल, कंप्यूटर बंद, धरना-प्रदर्शन, भूख हड़ताल और आमरण अनशन सहित चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में आंदोलन की स्थिति निर्मित होने पर इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होने की बात कही गई है। संयुक्त मोर्चे की मुख्य मांग- ग्राम रोजगार सहायकों (पदेन सहायक सचिव) का पंचायत सहायक सचिव पद पर आमेलन किया जाए और मुख्यमंत्री की 28 जून 2023 की घोषणा के पालन में पंचायत सचिवों के समान सुविधाएं एवं सेवा संबंधी लाभ प्रदान करने के आदेश जारी किए जाएं।

विश्वकर्मा जयंती आज

वर्कशॉप, गैरेज, मशीनरी प्रतिष्ठानों सहित निर्माण स्थलों पर होगी पूजा-अर्चना, औजारों और मशीनों का भी किया जाएगा पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती को लेकर लांजी नगर सहित ग्रामीण अंचलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार, 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के विभिन्न वर्कशॉप, मोटर गैरेज, लोहे की दुकानें, मशीनरी प्रतिष्ठान, निर्माण कार्यों से जुड़े संस्थान तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। जयंती की पूर्व संध्या पर बुधवार को संबंधित प्रतिष्ठानों में दिनभर साफ-सफाई, रंग-रोगन, सजावट और पूजन की तैयारियां चलती रहीं। कई प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा एवं चित्र स्थापित किए गए हैं। पूजा स्थल को फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। गुरुवार सुबह से ही पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू होगा। शुभ मुहूर्त में भगवान विश्वकर्मा का पूजन, आरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

औजारों और मशीनों का भी होगा पूजन

विश्वकर्मा जयंती पर कारीगर और व्यवसायी अपने कार्य में उपयोग किए जाने वाले औजारों, मशीनों, उपकरणों एवं अन्य संसाधनों का भी विधिवत पूजन करेंगे। वर्कशॉप और गैरेज में मशीनों की सफाई कर उन्हें सजाया गया है। लोहे एवं मशीनरी से जुड़े प्रतिष्ठानों में भी पूजन की विशेष तैयारियां की गई हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पकार माना जाता है। उन्होंने विभिन्न भव्य भवनों, नगरों और दिव्य निर्माण कार्यों की रचना की थी। इसी आस्था के चलते शिल्प, कारीगरी, मशीनरी, निर्माण और तकनीकी कार्यों से जुड़े लोग हर वर्ष विश्वकर्मा जयंती पर अपने कार्यस्थल पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं।

उन्नति और समृद्धि की करेंगे कामना

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रतिष्ठान संचालक और कारीगर अपने व्यवसाय की उन्नति, कार्य में सफलता, रोजगार में वृद्धि तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। पूजा के बाद औजारों और मशीनों को भगवान विश्वकर्मा के समक्ष रखकर उनका आशीर्वाद लिया जाएगा। कई स्थानों पर पूजा के बाद प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

नगर से गांवों तक दिखेगा उत्साह

विश्वकर्मा जयंती को लेकर लांजी नगर के साथ क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भी उत्साह का माहौल है। संबंधित समाज के लोगों, कारीगरों और प्रतिष्ठान संचालकों द्वारा अपने-अपने स्तर पर आयोजन की तैयारियां की गई हैं। सुबह से ही पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यक्रमों का दौर शुरू होने की संभावना है। जयंती के अवसर पर नगर के बाजार, वर्कशॉप, गैरेज और विभिन्न कार्यस्थलों पर धार्मिक वातावरण देखने को मिलेगा। प्रतिष्ठान संचालक भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लेंगे और नए उत्साह के साथ अपने कामकाज की शुरुआत करेंगे।

श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन द्वारा पूजन एवं प्रतिभा सम्मान

श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी द्वारा आज 17 सितंबर को काली मंदिर परिसर मंडईटेकरी लांजी में प्रातः 11 बजे से विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में श्री विश्वकर्मा पूजन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया जाएगा।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में उत्साह से मनाया हिंदी दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लांजी में 14 सितंबर को हिंदी दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान और इसके संवर्धन की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य, मुख्य अतिथि एवं हिंदी विभागाध्यक्ष ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर प्राचार्य ने हिंदी भाषा की महत्ता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी हमारे दैनिक जीवन और सामाजिक जुड़ाव की महत्वपूर्ण भाषा है। विद्यार्थियों को हिंदी के सहज, सरल एवं शुद्ध प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए कविता पाठ, भाषण, नाटक और निबंध सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हिंदी नाटक की प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों का विशेष रूप से मन मोह लिया। इसके साथ ही हिंदी गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। प्रतियोगिताओं के समापन के बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए हिंदी को दैनिक जीवन में सहज एवं शुद्ध रूप से प्रयोग करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पेयजल योजना की टेस्टिंग बिना सड़कों पर डामरीकरण हुआ तो कांग्रेस करेगी विरोध

विधायक की अध्यक्षता में नगर परिषद सभाकक्ष में विकास कार्यों की समीक्षा, गंदगी और नाली की बदबू का मुद्दा भी उठा

पद्मेश न्यूज। लांजी। शहर में विकास कार्यों की धीमी गति और नागरिक समस्याओं को लेकर बुधवार 16 सितंबर को नगर परिषद लांजी के सभाकक्ष में क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शहर में जगह-जगह पसरी गंदगी, बस स्टैंड सभामंच के पास बदबूदार नाली, बहुप्रतीक्षित नवीन पेयजल योजना की प्रगति सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की स्थिति पर चर्चा की गई। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बैठक में नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद सौरभ पशीने ने नवीन नल-जल योजना में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि योजना में लेटलतीफी के कारण शहरवासियों को अब तक फिल्टर पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर नवीन पाइपलाइन बिछाने का काम भी पूरा नहीं हुआ है और पानी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन की टेस्टिंग भी शुरू नहीं की गई है।

टेस्टिंग से पहले डामरीकरण पर उठाए सवाल

पार्षद पशीने ने बाजार चौक में निर्माणाधीन व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की ड्राइंग-डिजाइन में विसंगतियों और बाजार क्षेत्र में कीचड़ की समस्या से आमजन को हो रही परेशानी की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि आगामी समय में शहर के विभिन्न वार्डों में सीसी रोड के ऊपर डामरीकरण का प्रस्ताव है। ऐसे में यदि पहले नवीन नल-जल योजना की पाइपलाइन की टेस्टिंग नहीं की गई तो डामरीकरण तकनीकी रूप से उचित नहीं होगा। उन्होंने तर्क दिया कि पाइपलाइन की टेस्टिंग के दौरान यदि कहीं लीकेज सामने आता है तो बाद में डामरीकरण वाली सड़क को खोदकर सुधार कार्य करना पड़ेगा। इससे नई सड़क क्षतिग्रस्त होगी और सरकारी राशि का भी दोबारा उपयोग करना पड़ेगा। इसलिए पहले पेयजल योजना का कार्य पूर्ण कर उसकी टेस्टिंग कराने के बाद ही डामरीकरण कार्य शुरू किया जाना चाहिए।

अधिकारियों को जल्द कार्य पूरा करने की चेतावनी

पार्षद ने नगर परिषद अधिकारियों से नवीन पेयजल योजना का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराने और पानी की टेस्टिंग शुरू कराने की मांग की। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, नाली की बदबू और बाजार की कीचड़ जैसी समस्याओं के निराकरण के लिए भी आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने ने कहा कि यदि पानी की टेस्टिंग किए बिना डामरीकरण कार्य प्रारंभ किया जाता है तथा बैठक में जिन समस्याओं के सुधार के निर्देश दिए गए हैं, उन पर तत्काल कार्रवाई नहीं होती है तो शहर कांग्रेस कमेटी इसका पुरजोर तरीके से विरोध करेगी।

शुभम भेलावे का एमबीबीएस में चयन होने पर प्रांत प्रचारक ने किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय करंजा के पूर्व छात्र एवं बिसोनी निवासी शुभम ओमप्रकाश भेलावे का एमबीबीएस में चयन होने पर विद्यालय परिवार ने सम्मान किया। शुभम का प्रवेश सुखसागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में हुआ है। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक ब्रजकांत ने शुभम का पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभम ने कक्षा 10वीं की परीक्षा में 92 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं में 93 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की थी। एमबीबीएस में चयन के लिए उन्होंने नियमित रूप से कड़ी मेहनत की। शुभम के अनुसार, उन्होंने घर पर प्रतिदिन करीब 10 से 12 घंटे पढ़ाई कर अपनी तैयारी को निरंतर जारी रखा। इसी अनुशासन और मेहनत के परिणामस्वरूप उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश हासिल किया।

विद्यालय के तीन पूर्व छात्र एमबीबीएस में चयनित

विद्यालय परिवार ने बताया कि इससे पहले भी एमबीबीएस में चयनित विद्यालय की पूर्व छात्राओं कु. प्रियांशी ठाकरे एवं कु. निशा चौरे का सम्मान किया जा चुका है। शुभम के चयन से विद्यालय के विद्यार्थियों और आचार्य परिवार में भी उत्साह का माहौल रहा। सम्मान समारोह के दौरान शुभम ने विद्यालय में बिताए दिनों की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने आचार्य परिवार एवं भैया-बहनों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विद्यालय में मिली शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों ने उनकी आगे की पढ़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शैक्षणिक गतिविधियों को बताया महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख अनिल जोशी ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं शिक्षण व्यवस्था पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया तथा शुभम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्थापक एवं न्यास के सचिव सचिन अग्रवाल, सह सचिव नरेंद्र बाजपेई, उमेश मेंढे, विभाग प्रचारक सुरेंद्र सिंह, केके बांते, मयूर अग्रवाल, विलास जुगादे, नैनसुख, नानिकराम मेंगरे, श्रीमती गुनेश्वरी भेलावे सहित आचार्य परिवार एवं भैया-बहन उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

शासकीय महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़े के तहत साहित्यिक, विचारपरक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में बुधवार को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़े के तहत साहित्यिक एवं विचारपरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी भाषा के महत्व, उसके अधिकाधिक प्रयोग तथा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास पर वक्ताओं ने विचार रखे। हिंदी पखवाड़ा 14 से 28 सितंबर तक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. किशोर सोनवाने ने हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी में कविता एवं डायरी लेखन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और सर्वांगीण विकास में सहायक है। उन्होंने मोबाइल विषय पर अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि के.के. भालाधरे ने देशप्रेम से ओत-प्रोत स्वरचित गीत एवं गजलें प्रस्तुत कीं। सामाजिक समरसता पर आधारित उनकी गजल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी रही। वहीं विशिष्ट अतिथि भूपेश करीहे ने वृद्धाश्रम की पृष्ठभूमि पर आधारित अपनी भावुक कविता प्रस्तुत की। कविता ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया।

भाषा और राज्य पुनर्गठन पर भी हुई चर्चा

समाजशास्त्र के सहायक प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार चिखले ने विद्यार्थियों को भाषावाद की समस्या और उसके ऐतिहासिक संदर्भों से अवगत कराया। उन्होंने मैकाले की शिक्षा नीति, भाषा आधारित राज्यों के गठन तथा राज्य पुनर्गठन आयोग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. गौतमा कठाने ने हिंदी के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर विचार रखे। उन्होंने हिंदी से जुड़े अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उन्हें निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन लखनलाल बाहे ने किया, जबकि ज्ञानदेव कुशले ने आयोजन में सराहनीय योगदान दिया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र कुमार तलवरे ने अतिथियों, वक्ताओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

शासकीय महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में 15 सितंबर को कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल के दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने की अध्यक्षता में हुआ। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता रमेश आसटकर ने विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के इको क्लब के पोस्टर का अनावरण भी किया गया। प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण के महत्व और उसके संरक्षण की आवश्यकता से अवगत कराया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षण स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र सुरेन्द्र कुमार चिखले, सहायक प्राध्यापक गणित शेखर दहेमाल, डॉ. ललित कामड़े, डॉ. सपना शेंडे एवं सुश्री अंजलि सोनी ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक हिंदी महेन्द्र कुमार तलवरे ने किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

मोहनलाल कालबेले का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले के ससुर एवं पूर्व उपाध्यक्ष ताराचंद कालबेले के पिता मोहनलाल कालबेले का 90 वर्ष की आयु में बुधवार, 16 सितंबर 2026 को अपराह्न 3 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। आप अपने पीछे चार पुत्र के नाती-पोतों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। स्वर्गीय मोहनलाल कालबेले का अंतिम संस्कार आज गुरुवार, 17 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे के पश्चात कोटेश्वर मोक्षधाम लांजी में किया जाएगा। शोकाकुल परिवार के प्रति नगरवासियों एवं शुभचिंतकों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की

स्कूलों के 50 मीटर दायरे में जंक फूड, तंबाकू की बिक्री

आदेश के बावजूद खुलेआम बिक्री का आरोप ≈ प्रशासन की कार्रवाई पर अभिभावकों की नजर

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए खाद्य व औषधि प्रशासन द्वारा स्कूलों के परिसर तथा प्रवेश द्वार से 50 मीटर के दायरे में जंक फूड और अधिक फैट, शुगर व नमक वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री, विज्ञापन और मुफ्त वितरण पर रोक लगाई गई है. इसके बावजूद जिले के कई स्कूलों और कॉलेजों के आसपास इन नियमों का प्रभावी पालन नहीं होने का आरोप नागरिकों और अभिभावकों ने लगाया है।

नागरिकों का कहना है कि कुछ स्कूल-कॉलेजों के आसपास लगी टपरियों और दुकानों पर बच्चों की पहुंच में जंक फूड के साथ सिगरेट, तंबाकू और गुटखा जैसे तंबाकूजन्य पदार्थ भी उपलब्ध हैं. ऐसे में स्कूल परिसर के आसपास लागू नियमों और तंबाकू नियंत्रण संबंधी प्रावधानों का बच्चों को वास्तविक लाभ कितना मिल रहा है, यह सवाल उठ रहा है. खाद्य व औषधि प्रशासन के निर्देशों के अनुसार स्कूल परिसर तथा प्रवेश द्वार से 50 मीटर के दायरे में अधिक फैट, शुगर और नमक वाले खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों की बिक्री, विज्ञापन और मुफ्त वितरण रोकने का प्रावधान है. इसमें वड़ापाव, समोसा, बर्गर, चॉकलेट, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं. स्कूल कैंटीन तथा विद्यार्थियों को खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने वाले प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक लाइसेंस अथवा पंजीयन होना भी अनिवार्य किया गया है।

गोंदिया शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्कूल-कॉलेजों के आसपास खाद्य पदार्थों की टपरियां और दुकानें संचालित होने का दावा नागरिकों ने किया है. इन दुकानों पर विद्यार्थियों द्वारा बड़ी संख्या में खाद्य पदार्थ खरीदे जाने की बात कही जा रही है. वहीं कुछ टपरियों पर सिगरेट, तंबाकू और अन्य तंबाकूजन्य पदार्थों की बिक्री होने का आरोप भी अभिभावकों ने लगाया है. अभिभावकों का सवाल है कि यदि बच्चों के स्कूल जाने के रास्ते में ही जंक फूड और तंबाकूजन्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध होंगे तो तंबाकूमुक्त समाज का लक्ष्य कैसे हासिल होगा? उन्होंने स्कूल-कॉलेज परिसरों में अचानक जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

उल्लंघन मिला तो निश्चित कार्रवाई होगी

फिलहाल त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य पदार्थों की जांच का अभियान चलाया जा रहा है. स्कूल परिसर में जंक फूड और तंबाकूजन्य पदार्थों की बिक्री हो रही है तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी. नागरिक और अभिभावक इस संबंध में शिकायत करें।

अमृता शिर्के, सहायक आयुक्त, खाद्य व औषधि प्रशासन

बच्चों पर पड़ रहा घातक असर

स्कूल-कॉलेज परिसरों में बड़ी मात्रा में जंक फूड और तंबाकूजन्य पदार्थों की बिक्री होती है. इसका बच्चों पर घातक प्रभाव पड़ता है. शासन-प्रशासन को इस पर रोक लगानी चाहिए. तंबाकूजन्य पदार्थ और जंक फूड के कारखानों पर भी नियंत्रण की आवश्यकता है।

बालकृष्ण बालपांडे, प्राचार्य, मानवता पूर्व माध्यमिक विद्यालय, श्रीनगर, गोंदिया

तक्रार के बाद अगले दिन निरीक्षण?

कुछ शिकायतकर्ताओं के अनुसार, संबंधित मामले की जानकारी प्रशासन को देने पर पहले ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी जाती है. इसके बाद अगले दिन निरीक्षण किए जाने की बात कही जाती है. नागरिकों का सवाल है कि शिकायत मिलने और निरीक्षण के बीच के समय में संबंधित दुकान या टपरी पर नियमों का उल्लंघन जारी न रहे, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? अभिभावकों ने मांग की है कि बच्चों से जुड़े मामलों में शिकायत मिलते ही तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए।

गणेशोत्सव की सांस्कृतिक विरासत विश्व पटल पर पहुंचाएं

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक गणेशोत्सव को राज्य शासन ने 14 अगस्त 2025 के शासन निर्णय के तहत 'राज्य महोत्सव' का दर्जा दिया है. गणेशोत्सव की परंपराओं का दस्तावेजीकरण कर उन्हें वैश्विक स्तर पर पहुंचाने तथा यूनेस्को सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय मान्यताएं प्राप्त करने के लिए विभिन्न उपक्रम चलाए जा रहे हैं. नागरिक इन अभियानों में सक्रिय सहभागिता करें, ऐसा आह्वान जिलाधिकारी मंदार पत्की ने किया है। वर्ष 2026 के गणेशोत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को पुरस्कार देने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई है. वहीं, सांस्कृतिक कार्य विभाग के अधीन पुरातत्व संचालनालय की ओर से 'ह्नह्वक्षक्षड्ड.शह्द' उपक्रम शुरू किया गया है. इसके माध्यम से गणेशोत्सव की परंपराओं, गणेश प्रतिमा स्थापना, सजावट, हस्तकला, लोककला, खाद्य संस्कृति, यादों और छायाचित्रों का संकलन किया जाएगा. महाराष्ट्र सहित देशभर और 35 से अधिक वैश्विक शहरों में मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की जानकारी नागरिक WhatsApp के माध्यम से दर्ज कर अपलोड कर सकेंगे. इससे गणेशोत्सव की समृद्ध परंपरा का आधिकारिक और स्थायी सांस्कृतिक दस्तावेज तैयार करने में मदद मिलेगी। गोंदिया जिले में उपक्रम के क्रियान्वयन के लिए जिला नियोजन अधिकारी डा. रुपेशकुमार राऊत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है. जिला प्रशासन ने सार्वजनिक गणेश मंडलों और नागरिकों से ह्नह्वक्षक्षड्ड.शह्द पर गणराय से जुड़ी परंपराओं, कला, संस्कृति, यादों और छायाचित्रों की जानकारी दर्ज कर अभियान में सहभागी बनने की अपील की है. गोंदिया की गणेशोत्सव परंपरा को विश्व के सामने लाने में नागरिक योगदान दें, ऐसा आवाहन जिलाधिकारी मंदार पत्की ने किया है।

11 लघु प्रकल्पों की प्यास नहीं बुझी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। मानसून की विदाई में अब महज 14 दिन शेष हैं, लेकिन गोंदिया जिले में बारिश की कमी अब भी बरकरार है. इसका असर जलसाठे पर भी दिखाई दे रहा है. सिंचाई विभाग के रिकॉर्ड में जिले में 20 लघु प्रकल्प दर्ज हैं, जिनमें से केवल 9 प्रकल्प ही 100 प्रश. भर पाए हैं. वहीं, शेष 11 प्रकल्पों को अपनी प्यास बुझाने के लिए अभी भी अच्छी बारिश की जरूरत है।

जिले में जून से सितंबर के दौरान औसतन 1220.3 मिमी बारिश अपेक्षित रहती है. इसी के आधार पर रबी फसलों की सिंचाई और आगामी समय में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होती है. सरकारी रिकॉर्ड में 30 सितंबर तक की बारिश को मानसूनी बारिश माना जाता है. ऐसे में शेष 15 दिनों में बारिश की कमी दूर होना जरूरी है. कमी बरकरार रहने पर आने वाले समय में सिंचाई के साथ पेयजल व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

औसत से 184.2 मिमी कम बारिश

16 सितंबर तक जिले में 1036.1 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है. निर्धारित औसत 1220.3 मिमी की तुलना में जिले में अब भी 184.2 मिमी बारिश की कमी है. मानसून के लिए बचे सीमित दिनों में इतनी कमी पूरी करने की चुनौती है।

गुमडोह, पांगडी, रिसाला व सालेगांव की स्थिति चिंताजनक

20 लघु प्रकल्पों में से 9 पूरी क्षमता तक भर चुके हैं, लेकिन 11 प्रकल्पों में अभी पर्याप्त जलसाठा नहीं हो पाया है. इनमें गुमडोह, पांगडी, रिसाला और सालेगांव लघु प्रकल्पों की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई जा रही है. इन प्रकल्पों में अभी भी 50 प्रश. से कम जलसाठा है. सबसे कम जलसाठा रिसाला प्रकल्प में दर्ज है. मानसून लगभग समाप्ति की ओर होने के बावजूद यहां केवल 26 प्रश. पानी जमा हुआ है. लघु प्रकल्पों का उपयोग खेती की सिंचाई के साथ पेयजल व्यवस्था में भी होता है. ऐसे में शेष अवधि में होने वाली बारिश इन प्रकल्पों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अवैध रेत परिवहन पर पुलिस का शिकंजा

तीन दिन में 8 आरोपियों पर कार्रवाई ≈ 7 ब्रास रेत, 5 ट्रैक्टर व एक टिप्पर जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ स्थानीय अपराध शाखा ने लगातार तीन दिनों तक कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं. पुलिस ने इस दौरान 7 ब्रास रेत, 5 ट्रैक्टर और एक टिप्पर सहित कुल कीमत 50 लाख 72 हजार रु. का माल जब्त किया है. यह कार्रवाई दवनीवाड़ा, रावणवाड़ी और डुग्गीपार थाना क्षेत्रों में की गई।

पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम जिले में अवैध कारोबार के खिलाफ गश्त कर रही थी. इसी दौरान मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई. दवनीवाड़ा थाना क्षेत्र के महालगांव-रतनारा मार्ग पर नाकाबंदी की गई. इस दौरान महालगांव की ओर से आ रहे दो ट्रैक्टरों को रोककर पंचों के समक्ष जांच की गई. दोनों ट्रैक्टरों में रेत मिली. चालकों से परिवहन परमिट मांगा गया, लेकिन उनके पास कोई वैध अनुमति नहीं थी. पुलिस के अनुसार रेत महालगांव घाट स्थित वैनगंगा नदी के पात्र से निकालकर बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी. पुलिस ने 15 लाख रु. कीमत के दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व 12 हजार रु. कीमत की 2 ब्रास रेत सहित कुल 15 लाख 12 हजार रु. का माल जब्त किया. मामले में महालगांव निवासी ट्रैक्टर चालक व मालिक राजकुमार नैताम नागपुरे (30) व देवरी निवासी जितेंद्र तिलकचंद ठाकरे (44) के खिलाफ दवनीवाड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया. दूसरी कार्रवाई में रावणवाड़ी थाना क्षेत्र के तेढ़वा-काटी मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रैक्टर और एक टिप्पर को रोका गया. जांच में दोनों वाहनों में रेत मिली. चालकों के पास रेत परिवहन का परमिट नहीं था. पुलिस के अनुसार रेत तेढ़वा घाट स्थित वैनगंगा नदी के पात्र से निकालकर बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी. कार्रवाई में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक ब्रास रेत समेत 6 लाख 6 हजार रु., जबकि एक टिप्पर और 2 ब्रास रेत समेत 15 लाख 12 हजार रु. ऐसा कुल 21 लाख 18 हजार रु. का माल जब्त किया गया. इस मामले में मरारटोला निवासी ट्रैक्टर चालक खिलेंद्र रामकिशोर म्हात्रे (29), पांढराबोड़ी निवासी ट्रैक्टर मालिक प्रदीप खुशाल भुरे (22), सलाईटोला निवासी टिप्पर चालक राहुल राजू उईके (25) तथा गड्राटोली निवासी टिप्पर मालिक यश राधेश्याम लिल्हारे के खिलाफ रावणवाड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया. तिसरी कार्रवाई डुग्गीपार थाना क्षेत्र के सालईटोला-चिरचाली मार्ग पर की गई. इस दौरान चिरचाली की ओर से आ रहे दो ट्रैक्टरों को रोककर जांच की गई. दोनों में रेत मिली. चालकों से परिवहन परमिट के संबंध में पूछताछ करने पर कोई वैध अनुमति नहीं होने की बात सामने आई. पुलिस के अनुसार रेत उमरझरी नाले से निकालकर बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी. पुलिस ने 12 लाख रु. कीमत की दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां व 12 हजार रु. कीमत की 2 ब्रास रेत ऐसा कुल 12 लाख 12 हजार रु. का माल जब्त किया. इस मामले में डव्वा निवासी ट्रैक्टर चालक व मालिक आशिष राजकुमार राऊत (28) तथा मेघनाथ सखाराम उंदीरवाड़े (53) के खिलाफ डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश व पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में हवलदार संजय चव्हाण, सोमेंद्रसिंह तुरकर, रियाज शेख, दीक्षितकुमार दमाहे, सुबोध बिसेन, इंद्रजीत बिसेन, तुलसीदास लुटे, दुर्गेश तिवारी, सिपाही छगन विठ्ठले, सुनील डहाके, निखिल मेश्राम, राकेश इंदूरकर व विलेश ठाकरे ने की।

पवित्र पोर्टल की शिक्षक भर्ती में हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों पर अन्याय

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पवित्र पोर्टल के माध्यम से चल रही शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हिंदी माध्यम के पदों को लेकर गड़बड़ी किए जाने का आरोप हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों ने लगाया है. बुधवार, 16 सितंबर को शासकीय विश्रामगृह में आयोजित एक चर्चा में उम्मीदवारों ने दावा किया कि गोंदिया जिला शिक्षा विभाग की ओर से जारी विज्ञापन में हिंदी और मराठी माध्यम के पदों को लेकर विसंगतियां हैं. उनका आरोप है कि कक्षा 6 से 8 तक के कुछ हिंदी माध्यम के पदों पर मराठी माध्यम के पात्र शिक्षकों को अवसर दिया गया, जबकि पात्र हिंदी माध्यम के कई उम्मीदवारों को वंचित रखा गया. उम्मीदवारों ने इस मामले में पवित्र पोर्टल की प्रक्रिया की दोबारा जांच कर चयन सूची में आवश्यक सुधार करने की मांग की है।

उम्मीदवारों के अनुसार, कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 10 के लिए सामाजिक विज्ञान, गणित-विज्ञान, हिंदी आदि विषयों की हिंदी व मराठी माध्यम की विज्ञापनों में अंतर है. इसके अलावा पूरे महाराष्ट्र में हिंदी विषय के लिए दिए गए प्राथमिकता क्रम तथा हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों के लिए उनके माध्यम के पदों से संबंधित नियमों में भी विसंगतियां होने का दावा किया गया. उम्मीदवारों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में 31 अगस्त को जिला शिक्षाधिकारी को पत्र दिया था. इसके बाद 9 सितंबर को शिक्षा आयुक्त तथा स्कूल शिक्षा मंत्री को भी निवेदन सौंपा गया. 9 सितंबर को जिला शिक्षाधिकारी के समक्ष भी उम्मीदवारों ने अपनी आपत्तियां रखीं. उम्मीदवारों के अनुसार, जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय की ओर से 15 सितंबर को महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (स्स्ष्टथ), पुणे को पत्र भेजा गया. लेकिन, उनका कहना है कि इसमें मुख्य रूप से विज्ञापन में मौजूद विसंगति का उल्लेख किया गया है. इसी दौरान शिक्षा विभाग की ओर से कुछ उम्मीदवारों से संपर्क कर यह बताया गया कि उन्होंने पवित्र पोर्टल पर अपनी पसंद (प्रेफरेंस) लॉक नहीं की है. इस पर उम्मीदवारों का सवाल है कि यदि पोर्टल पर संबंधित पदों की प्राथमिकता उपलब्ध ही नहीं थी तो उम्मीदवार उसे लॉक कैसे कर सकते थे? उन्होंने प्रशासन से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए लिखित जानकारी देने की मांग की है. हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों ने मांग की है कि मामले की पूरी जांच होने तक हिंदी माध्यम के पदों पर नियुक्तियां रोक दी जाएं. साथ ही ऐसे मराठी माध्यम के पदों की नियुक्तियां भी रोकने की मांग की गई है, जिनमें हिंदी माध्यम के पात्र उम्मीदवारों को प्राथमिकता नहीं मिल पाई. उम्मीदवारों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ प्रशासनिक व कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है. उम्मीदवारों ने कहा कि उन्होंने जिला स्तर से लेकर शिक्षा आयुक्त और स्कूल शिक्षा विभाग तक अपनी शिकायत पहुंचाई है. इसके बावजूद अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है. इससे हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों में असंतोष है. उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर पारदर्शी तरीके से सुधारात्मक कार्रवाई करने की मांग की. इस अवसर पर संजयकुमार सुलाखे, प्रदीपकुमार नागपुरे, प्रविण सुलाखे, भेजेंद्र तुरकर, शम्मी पुंडे, दीपक मच्छिरके, यनिशकुमार ठाकरे आदि उपस्थित थे।

नल योजना बंद, टैंकर से पानी शुरू

अर्जुनी मोरगांव, न्यूज. खांबी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के तहत चापटी गांव में नलों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति की जा रही थी. लेकिन बिजली बिल का भुगतान नहीं होने के कारण 1 सितंबर से नल जलापूर्ति योजना बंद है. ऐसे में त्योहारों के बीच गांव में पेयजल संकट गहरा गया था. महिलाओं को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा था. ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए चापटी के उपसरपंच व युवा सामाजिक कार्यकर्ता विशाल पुस्तोडे ने तत्काल पहल की. उन्होंने सरकारी मदद का इंतजार किए बिना अपने खर्च पर टैंकर की व्यवस्था कर गांव में निःशुल्क पानी पहुंचाना शुरू किया है. गांव की प्रत्येक गली व प्रभाग में टैंकर के माध्यम से घर-घर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

खांबी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के माध्यम से क्षेत्र के विभिन्न गांवों में नल से पानी पहुंचाया जाता है. नलधारक नियमित रूप से निर्धारित शुल्क जमा करते हैं. लेकिन, बिजली बिल का भुगतान बकाया रहने के कारण 1 सितंबर से ग्रामीण क्षेत्र की नल जलापूर्ति योजना ठप हो गई. बारिश का मौसम होने के बावजूद ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

योजना बहाल होने तक टैंकर जारी रहेगा

विशाल पुस्तोडे ने कहा कि नल योजना बंद होने से चापटी की माताओं-बहनों को पेयजल के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी. जब तक नल जलापूर्ति योजना पूर्ववत शुरू नहीं होती, तब तक गांव के नागरिकों के लिए निःशुल्क टैंकर से पानी की आपूर्ति जारी रखी जाएगी, ऐसा उन्होंने बताया.

सोनगुड्डा में जनसमस्या निवारण शिविर, एक ही स्थान पर मिलीं कई शासकीय सेवाएं

96 जाति प्रमाण पत्र के आवेदन प्राप्त, 108 प्रमाण पत्र वितरित, 25 किसानों के बने किसान क्रेडिट कार्ड

जिला पंचायत सीईओ तनुश्री मीना ने शिविर का किया निरीक्षण, मौके पर निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा विकासखंड के जनजातीय बहुल ग्राम सोनगुड्डा के हाट-बाजार में 16 सितम्बर को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और जरूरी दस्तावेजों से संबंधित सेवाएं गांव में ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए शिविर में बड़ी संख्या में जनजातीय वर्ग के ग्रामीण अपने आवेदन लेकर पहुंचे। ग्रामीणों की सुविधा के लिए अलग-अलग विभागों के पृथक काउंटर बनाए गए थे। शिविर में संबल योजना में पंजीयन, आधार कार्ड बनाने एवं अपडेशन, समग्र आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

सीईओ ने देखी व्यवस्थाएं, मौके पर निराकरण के निर्देश

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीना भी शिविर में पहुंचीं और विभिन्न काउंटरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन मामलों का निराकरण मौके पर संभव नहीं है, उनमें संबंधित विभाग समय-सीमा में कार्रवाई पूरी कर हितग्राहियों को लाभ दिलाएं। शिविर में तहसीलदार सुश्री बबिता सूर्या, जनपद पंचायत सीईओ श्री नीतिन भट्ट, बीडीओ श्री श्याम बघेल, बीआरसी सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

96 जाति प्रमाण पत्र के आवेदन, 108 प्रमाण पत्र वितरित

शिविर में जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 96 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। आगामी दिनों में प्रमाण पत्र तैयार कर हितग्राहियों को वितरित किए जाएंगे। वहीं पूर्व में तैयार 108 जाति प्रमाण पत्रों का शिविर में वितरण किया गया। संबल योजना के अंतर्गत 16 लोगों का पंजीयन किया गया तथा 19 लोगों के नाम समग्र आईडी में जोड़े गए। एम-राशन मित्र पोर्टल पर 40 लोगों के नाम जोड़े गए।

25 नए आधार कार्ड बने, 29 का हुआ अपडेशन

शिविर में ग्रामीणों को आधार संबंधी सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान 25 नए आधार कार्ड बनाए गए, जबकि 29 आधार कार्ड का अपडेशन किया गया। जन्म प्रमाण पत्र के लिए प्राप्त 7 आवेदनों पर भी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। आहार अनुदान योजना का लाभ दिलाने के लिए 7 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

किसानों को भी मिली सुविधा

शिविर में 25 किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए गए। इसके साथ ही 26 लोगों की समग्र आईडी की ई-केवाईसी कराई गई। सोनगुड्डा जैसे दूरस्थ जनजातीय क्षेत्र में आयोजित इस शिविर से ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हुईं। प्रमाण पत्र, आधार, राशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े कार्य गांव में ही होने से ग्रामीणों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली। शिविर में प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई शुरू होने से ग्रामीणों को शीघ्र ही आवश्यक दस्तावेज एवं योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।

कबाड़ दुकान से 3 शटरिंग प्लेट जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाना क्षेत्र के मुंडिकोटा गांव स्थित एक कबाड़ दुकान से चोरी के माल के संदेह में तीन लोहे की शटरिंग प्लेट जब्त की गईं. पुलिस ने शनिवार को दोपहर 3.35 से 4 बजे के बीच यह कार्रवाई की. जानकारी के अनुसार, शनिवार को पुलिस दल गश्त पर था. इसी दौरान मुंडिकोटा में कृष्णा विजय वाघमारे (26) के कबाड़ दुकान में चोरी का माल होने की गोपनीय सूचना मिली. सूचना के आधार पर पुलिस दल ने दुकान की जांच की. उस समय कृष्णा वाघमारे दुकान में मौजूद था. पुलिस ने दुकान में रखी तीन लोहे की शटरिंग प्लेट के संबंध में पूछताछ की, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका. साथ ही प्लेट खरीदने से संबंधित कोई दस्तावेज भी उसके पास नहीं मिला।

ऑस्ट्रेलिया-ए ने दूसरे टी20 में भारत-ए को 30 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ । कैटी मैक के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ए ने अनाधिकारिक 20 सीरीज के दूसरे मैच में भारत-ए को 30 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कैटी मैक के नाबाद 83 रनों की सहायता से 178 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 7 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने सीरीज भी अपने नाम कर ली।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कैटी मैक और रेचल ट्रेनामन की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9 ओवरों में 75 रन बनाये। रेचल ट्रेनामन ने 25 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों की मदद से 37 रन बनाये जबकि कैटी मैक ने चार्ली नॉट के 20 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाये। चार्ली के आउट होने के बाद, अनिका लीरॉयड ने कैटी के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 65 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कैटी मैक अंत तक क्रीज पर टिकी रहीं और 60 गेंदों पर उसने नाबाद 83 रन बनाए। अनिका लीरॉयड ने भी 16 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाये। भारत की ओर से दोनों विकेट निकी प्रसाद ने लिए।

179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को 9 के स्कोर पर ही दिनेश वृंदा 1 के रूप में पहला झटका लगा। शिप्रा गिरी ने सुजाता के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 रन जोड़े, लेकिन 29 रन के स्कोर तक सुजाता 8 और शिप्रा 13 भी पवेलियन लौट चुकी थीं। इस प्रकार केवल 60 रनों के अंदर ही टी ने 5 विकेट गंवा दिये।

इसके बाद निकी प्रसाद ने मिन्नु मणि 16 रन के साथ छठे विकेट के लिए 53 रन जबकि तनुजा कंवर 16 रन के साथ सातवें विकेट के लिए भी 35 रन जोड़े। इसके बाद भी भारतीय टीम लक्ष्य पर नहीं पहुंच पायी। निकी प्रसाद ने नाबाद 54 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। ऑस्ट्रेलिया-ए की ओर से फ्रैंकी निक्लिन और मिली इलिंगवर्थ ने 2-2 विकेट लिए।

अफगानिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन से मनोबल बढ़ा –नीतीश

नई दिल्ली। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित हैं। इस मैच में नीतीश ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट लिए, जिससे बदौलत भारतीय टीम ने अफगान टीम को 8 विकेट पर 159 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर ये स्कोर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने सीरीज सात विकेट से जीत ली। इस बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण नीतीश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रेड्डी ने कहा कि कि चोट से उबरने के बाद अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखने की वजह से ही वह ऐसा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैबिलिटेशन के दौरान की गई कड़ी मेहनत को अपनी फिटनेस का श्रेय दिया। इस ऑलराउंडर ने अपने फिट होन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत अच्छा है। अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

उनकी गेंदबाजी में वापसी से

भारतीय टीम को काफी सहायता मिली है। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने जो अतिरिक्त गति हासिल की है, वह एक अच्छे ऑलराउंडर बनने के उनके प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं हमेशा से सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर बनना चाहता था और इसके लिए मुझे उस अतिरिक्त गति की जरूरत थी, जो मुझे मिल रही है।

यह प्रदर्शन पहले टी20 के बाद उनकी ओर से एक मजबूत वापसी का प्रयास था जिसमें गेंद से उनका प्रभाव सीमित रहा था। हालांकि उनका ध्यान पिछली असफलताओं पर नहीं था, बल्कि वह वर्तमान और भविष्य पर केंद्रित थे। उन्होंने अपनी मानसिक मजबूती पर जोर देते हुए कहा, मैं कहूंगा कि यह सब अपनी क्षमताओं पर भरोसा करने और वापसी करने के बारे में है। मैं अपने पर भरोस कर रहा था। यह एक अजीब खेल है; एक पल में कुछ भी बदल सकता है।

एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसाज चैंपियन अनुष अग्रवाला का छलका दर्द

चयन प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। भारत के ड्रेसाज राइडर और 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स के ऐतिहासिक गोल्ड मेडलिस्ट अनुष अग्रवाला ने 2026 एशियन गेम्स के लिए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। टीम में जगह नहीं मिलने के बाद 25 वर्षीय अनुष ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए इसे खेल में मिली हार के बजाय विश्वासघात जैसा बताया है। अनुष, जिन्होंने 2022 में टीम गोल्ड और व्यक्तिगत ब्रॉन्ज मेडल जीता था और 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, अब आगामी एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अनुष को जून में इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएमआई) की एडहॉक कमेटी द्वारा पहली रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया था, लेकिन अंतिम चार सदस्यीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली। इस पर उन्होंने अपनी नाराजगी सार्वजनिक करते हुए कहा, मैं इसलिए गहराई से आहत हूं क्योंकि मैं प्रतियोगिता में हारा नहीं, बल्कि मुझे प्रतियोगिता करने का मौका ही नहीं दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि यह हार से कम और विश्वासघात जैसा ज्यादा महसूस हो रहा है। उनका मानना है कि वह मैदान पर हार स्वीकार कर सकते हैं, पर बिना मौका मिले बाहर होना कष्टप्रद है।

जर्मनी में लंबे समय तक ट्रेनिंग करने वाले अनुष ने इस चयन के खिलाफ साथी रिजर्व खिलाड़ी सुदीप्ति हजेला के साथ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख भी किया था। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया निर्धारित मानदंडों के अनुसार हुई थी और इसमें मनमानी या पक्षपात नहीं मिला। इसके बाद अनुष ने ईएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ और खेल मंत्रालय से चयन की समीक्षा करने की मांग की, लेकिन उन्हें कोई ठोस या संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

अनुष ने भारत में खिलाड़ियों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी चयन व्यवस्था की मांग की है, ताकि खिलाड़ियों के वर्षों के परिश्रम का सम्मान हो और भविष्य में किसी अन्य एथलीट को ऐसी स्थिति से न गुजरना पड़े। एशियन गेम्स से बाहर होने के बावजूद अनुष ने देश का प्रतिनिधित्व करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने बताया कि वह आखिरी क्षण तक लड़ते रहे और अब परिणाम को स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर उनकी आपत्ति कायम है। अनुष ने कहा कि उन्हें ट्रेनिंग से थोड़े ब्रेक की जरूरत है, हालांकि वह जल्द वापसी करेंगे, क्योंकि ओलंपिक उनका अगला बड़ा लक्ष्य है। एशियन गेम्स 2026 इसी सप्ताह के अंत में शुरू होने वाले हैं, और अनुष की अनुपस्थिति भारतीय ड्रेसाज टीम के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है।

सैमसन बोले, भारतीय टीम में जगह के साथ ही रन बनाना भी आसान नहीं

नई दिल्ली। बल्लेबाज संजू सैमसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में केवल 20 गेंदों में अर्धशतक लगाकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। सैमसन ने 22 गेंदों में सात चौके और चार छक्के 57 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे इस बल्लेबाज की टीम में जगह को लेकर लगातार उठ रहे सवाल भी समाप्त हो गये। पहले मैच में वह वह रन नहीं बना पाये थे जिससे टीम प्रबंधनके फैसले पर भी सवाल उठे। हालांकि, दूसरे मैच में सैमसन के उतरने से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अवसर नहीं मिल पाया।

मैच के बाद जब सैमसन ने कहा कि भारतीय टीम में जगह बनाना और रन बनाना आसान नहीं है। उन्होंने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का जिक्र का उदाहरण दिया, जिसने आईपीएल जैसे बड़े मंच पर 700-800 रन बनाए थे।

श्री चरणी ने रचा इतिहास, महिला टी20 रैंकिंग में 800 रेटिंग अंक पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बनीं

नई दिल्ली। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में श्रीलंका को 72 रनों से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीता। इस शानदार प्रदर्शन का असर अब आईसीसी महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग में भी देखने को मिल रहा है, जहां भारतीय खिलाड़ियों ने बड़ी छलांग लगाई है। इसमें बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज श्री चरणी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, वह महिला टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं।

श्री चरणी ने एशिया कप के फाइनल में चार विकेट झटके और पूरे टूर्नामेंट में कुल 12 विकेट अपने नाम किए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 802 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रही हैं। वह महिला टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाली दुनिया की चुनिंदा खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गई हैं। उनसे ज्यादा रेटिंग अंक केवल ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शुट (806) के नाम हैं, जबकि इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन भी 802 अंकों के साथ उनके बराबर हैं।

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी रैंकिंग में जबरदस्त सुधार किया है। एशिया कप में 14 विकेट लेने वाली दीप्ति चार स्थान की छलांग लगाकर टी20इ गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। फाइनल मुकाबले में उनके 3/19 के शानदार स्पेल ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजी रैंकिंग में शफाली वर्मा को भी फायदा हुआ है। एशिया कप में सबसे ज्यादा 236 रन बनाने वाली शफाली एक स्थान ऊपर उठकर छठे नंबर पर पहुंच गई हैं। उनका टूर्नामेंट में बल्लेबाजी औसत 47.20 रहा। शफाली ने ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी पांच स्थान की छलांग लगाकर 15वां स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और जॉर्जिया वोल ने टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दो स्थानों पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश की निगार सुल्ताना, इमेशा दुलानी, शर्मिन अख्तर सुप्ता और शावाल जुल्फिकार जैसी कई अन्य खिलाड़ियों को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा मिला है। इसी तरह, बांग्लादेश की मारुफा अख्तर, रबैया खान, सुल्ताना खातून और फाहिमा खातून जैसी गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

क्रिकेट का वह महा रिकार्ड जिसकी 80 साल बाद हुई थी बराबरी, 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने जड़ा शतक

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर रिकॉर्ड्स का बनना और टूटना एक सामान्य बात है, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो दशकों तक अजेय रहते हैं और जब टूटते या बराबर होते हैं, तो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं। ऐसा ही एक महाचमत्कार हाल ही में रणजी ट्रॉफी में देखने को मिला, जिसने 80 साल पुराने एक बेहद दुर्लभ रिकॉर्ड की बराबरी की है। यह रिकॉर्ड तब बना था जब किसी टीम के 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाजों ने एक ही पारी में शतक जड़े हों। यह घटना क्रिकेट के हर समीकरण को बदल देने वाली और यह सिखाने वाली थी कि जब तक आखिरी विकेट क्रीज पर है, तब तक हार नहीं मानी जा सकती। यह अविश्वसनीय कहानी साल 1946 में लंदन के द ओवल मैदान पर भारत और सरे के बीच खेले गए मुकाबले से शुरू हुई थी।

एशियन गेम्स से पहले भारतीय एथलीटों को जापान वीज़ा मिलने में देरी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और भारत का 207 सदस्यीय दल 2022 के अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इस दल में सबसे बड़ा हिस्सा एथलेटिक्स का है, लेकिन इससे पहले ही एक बड़ी चिंता सामने आ गई है। लगभग 4-5 भारतीय एथलीटों को अभी तक जापान का वीज़ा नहीं मिल पाया है। इनमें से अधिकतर खिलाड़ी टोक्यो के पास स्थित एक अक्लिमेटाइजेशन कैंप के लिए जापान पहुंच चुके हैं, लेकिन जिन खिलाड़ियों को वीज़ा नहीं मिला है, उनके लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। एएफआई के अधिकारियों को उम्मीद है कि इस मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा और वे इस संबंध में सरकार से मदद भी मांग सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वीज़ा और पासपोर्ट प्रशासन की प्रमुख आउटसोर्सिंग कंपनी वीएफएस ने इस बात पर जोर दिया है कि आवेदन वहीं किए जाने चाहिए जहां पासपोर्ट जारी किए गए थे, जिससे यह तकनीकी पेच सामने आया है।

नितीश रेड्डी की घातक गेंदबाजी के बाद संजू सैमसन का तूफानी अर्धशतक, भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली। नितीश कुमार रेड्डी की शानदार गेंदबाजी और संजू सैमसन की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने 14.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 163 रन बनाते हुए जीत दर्ज की और तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 3 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान ने 33 गेंदों पर 37 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। सेदिकुल्लाह अटल ने 15 गेंदों पर 12 और गुलबदीन नायब ने 8 गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया।

मध्यक्रम में दरविश रसूली ने 15 गेंदों पर 26 रन और मोहम्मद नबी ने 14 गेंदों पर 20 रन बनाए। कप्तान राशिद खान ने 16 गेंदों पर 28 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और एक छक्का लगाया। अंत में नूर अहमद 7 और मुजीब उर रहमान 4 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह अफगानिस्तान की टीम निर्धारित पारी में 159 रन ही बना सकी। भारत की ओर से नितीश कुमार रेड्डी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके। नितीश ने इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नायब और राशिद खान को अपना शिकार बनाया। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। बुमराह ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 25 रन दिए।

160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने पहले विकेट के लिए 51 गेंदों पर 88 रन की शानदार साझेदारी की। संजू सैमसन ने महज 22 गेंदों पर 57 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 4 छक्के लगाए। अभिषेक शर्मा ने भी 19 गेंदों पर 39 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद ईशान किशन और तिलक वर्मा ने पारी को संभाला। ईशान किशन ने 38 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा 15 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान ने 3 विकेट लिए, लेकिन उनकी गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामकता के सामने बेअसर साबित हुई। भारत ने 14.5 ओवर में 163 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

जैवलिन स्टार रुमेश पथिरगे की प्रतिस्पर्धा जैवलिन हंगरी से लौटते समय क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में शानदार जीत दर्ज करने के बाद, श्रीलंका के जैवलिन स्टार रुमेश थरंगा पथिरगे को हंगरी से घर लौटते समय एक अप्रिय अनुभव का सामना करना पड़ा। उनकी चार महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धा जैवलिन यात्रा के दौरान क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। पथिरगे ने अपनी जैवलिन की खराब हुई तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए बैड लक लिखा। एक अन्य स्टोरी में उन्होंने टूटे हुए हार्ट इमोजी के साथ थैंक यू टर्किश एयरलाइंस लिखकर एयरलाइन की आलोचना भी की। श्रीलंका के न्यूजवायर के मुताबिक, इस घटना को लेकर एयरलाइन में शिकायत दर्ज करा दी गई है। इस घटना पर पथिरगे ने कहा, मैंने 90 मीटर से अधिक के थ्रो के लिए जिन तीन जैवलिन का इस्तेमाल किया था, वे खराब हो गए हैं। हो सकता है कि यह एयरलाइन की गलती हो, लेकिन ऐसा हो जाता है।

सैंडपेपर गेट विवाद के बाद दक्षिण अफ्रीका में ऑस्ट्रेलिया की पहली टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 24 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसमें तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह दौरा 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपर गेट विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका में पहला टेस्ट सीरीज दौरा है। इस पृष्ठभूमि में, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इस दौरे पर उनकी टीम को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कमिंस ने कीपिन इट क्रिकेट पॉडकास्ट के दौरान कहा, टेस्ट सीरीज के दौरान थोड़ी दुश्मनी हो सकती है। लेकिन यह एशेज सीरीज से ज्यादा शोरगुल वाला नहीं हो सकता, जैसे बर्मिंघम के एजबेस्टन का हॉलीज स्टैंड बहुत शोरगुल वाला हो जाता है।

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलने के अपने अनुभव पर पैट कमिंस ने कहा कि दर्शक दीर्घा के कुछ हिस्से अक्सर उग्र हो जाते हैं, लेकिन

उन्होंने यह सब पहले भी देखा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक कप्तान के तौर पर वह मैदान के बीच में रहेंगे और सीधे दर्शकों के संपर्क में नहीं आएंगे। कमिंस ने विश्वास व्यक्त किया कि अब तक वह विवाद शांत हो गया होगा और उनकी टीम का पूरा ध्यान क्रिकेट पर रहेगा। उन्होंने कहा, हर कोई आगे बढ़ जाता है। अच्छी बात यह है कि तीन टेस्ट मैचों में, आप क्रिकेट में पूरी तरह से फंस जाते हैं, और हर कोई बहुत जल्दी क्रिकेट के बारे में चिंता करने लगता है। मुझे यकीन है कि भीड़ में कुछ गुस्सैल लोग होंगे, और कुछ लेख या मीडिया में ऐसी बातें सामने आएंगी, लेकिन हमारा समूह आगे बढ़ गया है।

2018 में हुए बॉल-टैम्परिंग (गेंद से छेड़छाड़) के मुद्दे ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को गंभीर संकट में डाल दिया था, जिसके बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर पर एक साल का और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगा था। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। यह टेस्ट सीरीज अपने ऐतिहासिक संदर्भ और दोनों टीमों की मौजूदा स्थिति के कारण बेहद रोमांचक होने वाली है और दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की इस पर खास नजर रहेगी।

पाकिस्तान का भारत दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर- वानी

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि आगामी हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम का भारत दौरा उनकी सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगा। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक भारत के जालंधर और मोहाली शहरों में होनी है। इस टूर्नामेंट में भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ-साथ पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। यदि पाकिस्तान इसमें शामिल नहीं हो पाता है, तो ओमान या बांग्लादेश को रिजर्व टीम के रूप में मौका दिया जा सकता है। मोहिउद्दीन अहमद वानी ने एक रिपोर्ट में कहा, पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।खेल मंत्रालय ने 5 मई को जारी एक कार्यालय ज्ञापन में भी यह संकेत दिया था कि पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकेंगी, और एथलीटों, अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन के प्रतिनिधियों के लिए अधिक सहायक वीज़ा प्रणाली का भी उल्लेख किया था।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय,लालबर्रा,जिला बालाघाट

07633 - 276300 (O) "उच्च शिक्षित युवा प्रदेश की ताकत"

वेबसाइट- http://mphighereducation.nic.in/lalburra ई-मेल-hegclalbal@mp.gov.in, govtcollegelalburra@gmail.com

क्रमांक / स्था / कम्प्यु-1/2026 लालबर्रा दि.-10.09.2026

ई-निविदा आमंत्रण

महाविद्यालय में आधुनिक तकनीकि से शिक्षण व्यवस्था योजना कं. (5551) के अंतर्गत प्राप्त आवंटन का क्रय करने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, अधिकृत फर्मों से निम्नलिखित विवरणानुसार निविदा की शर्तों आदि की जानकारी ऑनलाईन जेम पोर्टल पर देखी जा सकती है, बिड का विवरण निम्नानुसार है।

Sr.No	Description Of Items	Bid No/ Date	Bid End Date & Time
01	आधुनिक तकनीकि से शिक्षण व्यवस्था संबंधी सामग्री	GEM/2026/B/8006195 Date- 07.09.2026	Date- 21.09.2026 Time- 05:00 PM

(डॉ. संगीता मेश्राम)
प्र.प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी/अति. जिला कार्यक्रम समन्वयक विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) जिला पंचायत बालाघाट

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र./11171 /जि.पं./ वीबीजीरामजी /वाहन/2026 बालाघाट, तारीख 15/09/2026

वीबी- जी राम जी योजना अंतर्गत निर्माण कार्यों के पर्यवेक्षण हेतु कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बालाघाट हेतु एसयूवी (जैसे-न्यू सफारी/हेरियर/इनोवा क्रिस्टा) वाहन किराये पर लगाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इस हेतु इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं जिनके पास 2024 से मॉडल के वाहन हैं, उनसे दिनांक 29.09.2026 तक निर्धारित प्रपत्र में मुहर /सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, निविदा प्रपत्र दिनांक 29.09.2026 को समय दोपहर 02:00 बजे तक अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में रू. 300.00 नकद भुगतान कर इस कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

पूर्ण रूप से भरे हुये निविदा प्रपत्र राशि रू. 5000.00 (पांच हजार रू. मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट या एफ.डी.आर. के रूप में हों, के साथ इस कार्यालय में दिनांक 29.09.2026 को दोप. 02:00 बजे तक पहुंच जाना चाहिये।

निविदाएं दिनांक 30.09.2026 को 03:00 बजे खोली जायेंगी।

अन्य विवरण एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती हैं तथा उसी के अनुरूप निविदाएं प्रस्तुत की जावें।

अति. जिला कार्यक्रम समन्वयक
वीबी- जी राम जी योजना
जिला पंचायत बालाघाट

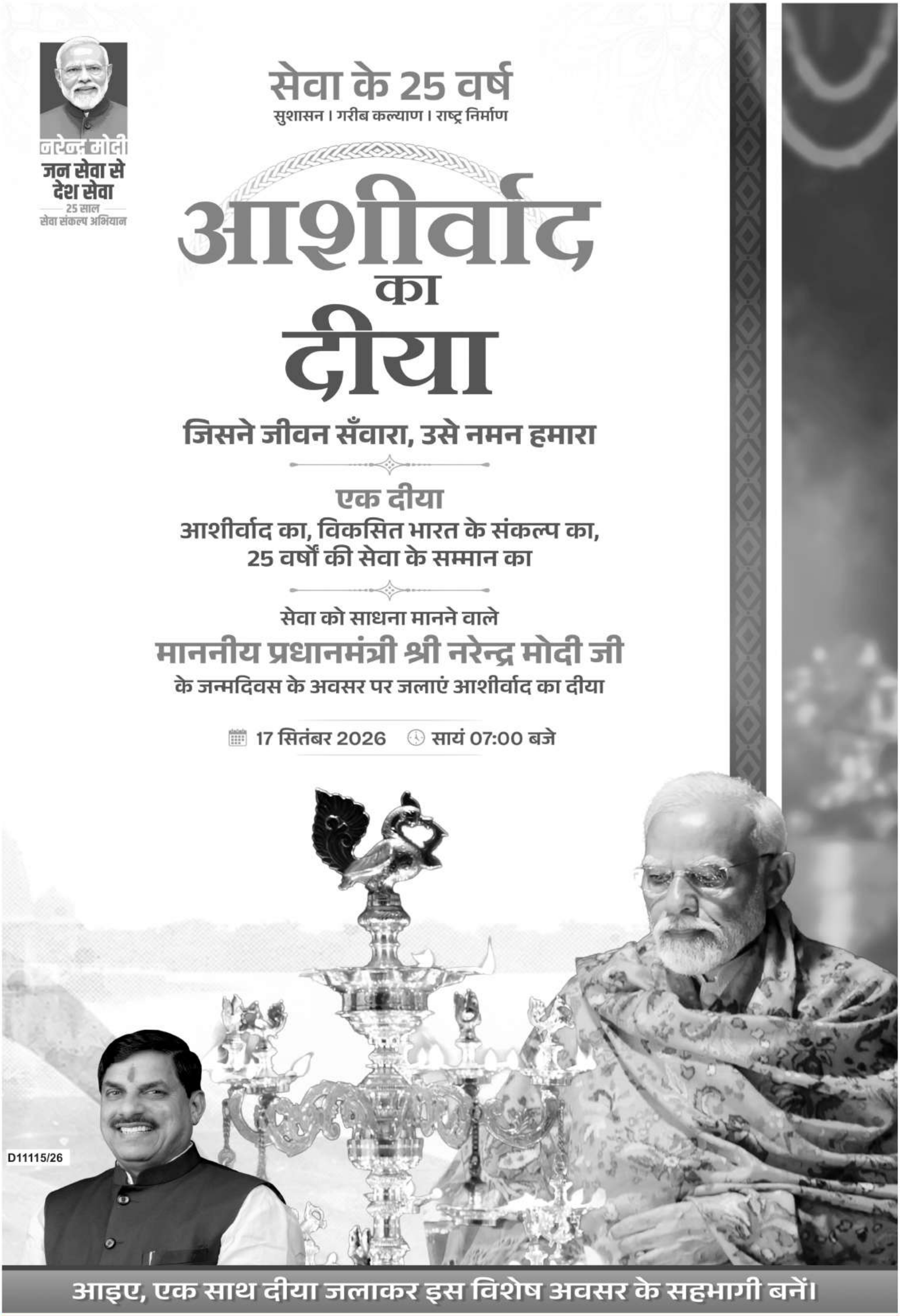
नरेन्द्र मोदी
जन सेवा से देश सेवा
25 साल
सेवा संकल्प अभियान
सेवा के 25 वर्ष
सुशासन। गरीब कल्याण। राष्ट्र निर्माण
आशीर्वाद का दीया
जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा
एक दीया
आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का
सेवा को साधना मानने वाले
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी
के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया
17 सितंबर 2026
सायं 07:00 बजे
D11115/26
आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनें।

बालाघाट
गुरुवार 17 सितम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की ख़बरें
पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आंदोलित पटवारियों ने रैली निकालकर किया प्रदर्शन

स्वामित्व पंजीयन, फार्मर आईडी और जियो टैग गिरदावरी से विरत रहने का ऐलान, बोले,समस्याएं नहीं सुलझीं तो तीनों काम नहीं करेंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी समस्याओं और बढ़ते तकनीकी एवं मैदानी दायित्वों के विरोध में मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने मंगलवार को मोर्चा खोल दिया। 16 सितंबर को जिलेभर के पटवारी कलेक्टर कार्यालय स्थित सिविल लाइन चौक पर एकत्रित हुए और अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर रैली निकालते हुए कलेक्टर गेट पहुंचे। यहां पटवारियों ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों का ज्ञापन प्रशासन को सौंपा।

पटवारी संघ के पदाधिकारियों अरुण बिरनवार और गिरधारी भगत ने बताया कि पटवारी संवर्ग की कई समस्याएं लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित हैं। उनका कहना है कि लगातार जिम्मेदारियां बढ़ाई जा रही हैं, लेकिन उसके अनुरूप वेतनमान, सेवा सुविधाओं और पदोन्नति संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। संघ ने अन्य राज्यों में पटवारी एवं समकक्ष संवर्ग को मिलने वाले वेतनमान का हवाला देते हुए मध्यप्रदेश में वेतन विसंगति दूर करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा जोर स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन-2026, फार्मर आईडी और जियो टैग गिरदावरी को लेकर रहा। संघ का कहना है कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन की प्रक्रिया से पटवारी संवर्ग को पूरी तरह अलग रखा जाए। पटवारियों का तर्क है कि इस प्रक्रिया में ऐसे दस्तावेज और तथ्यों का सत्यापन शामिल है, जिनकी प्राथमिक जानकारी उनके पास उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में किसी अज्ञात व्यक्ति के विक्रय विलेख में पटवारी का बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाना उचित नहीं है। संघ ने यह भी सवाल उठाया कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिन ग्रामीणों को पूर्व में अधिकार अभिलेख दिए जा चुके हैं, उनके संबंध में बाद में संपत्ति का पंजीयन और उससे जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन करने की जिम्मेदारी पटवारी को देना कई तरह की कानूनी जटिलताएं पैदा कर सकता है। संघ का कहना है कि स्थानीय स्तर पर मकान, कब्जा, निवास और संपत्ति की चतुर्सीमा जैसे तथ्यों का प्राथमिक सत्यापन ग्राम पंचायत स्तर पर अधिक उपयुक्त तरीके से किया जा सकता है। पटवारियों ने मांग की कि स्वामित्व पंजीयन का कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से कराया जाए। संघ ने पूर्व की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि ग्राम आबादी में आवास निर्माण के लिए भूखंड के पट्टे, मकान निर्माण और नक्शे की स्वीकृति जैसे कार्य ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव द्वारा किए जाते रहे हैं।

फार्मर आईडी पर कार्रवाई का विरोध

फार्मर आईडी को लेकर भी पटवारी संघ ने कड़ा रुख अपनाया। संघ का कहना है कि पटवारियों ने पहले ही कम समय में बड़ी संख्या में फार्मर आईडी बनाकर योजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब शेष फार्मर आईडी एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो तकनीकी समस्याओं के समाधान के साथ आगे बढ़ती रहेगी। ऐसे में लक्ष्य अथवा तकनीकी कारणों से पटवारियों पर मानसिक दबाव बनाना और कार्रवाई करना उचित नहीं है। संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक इस संबंध में शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश जारी कर कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई जाती, तब तक प्रदेश के पटवारी फार्मर आईडी का कार्य नहीं करेंगे।

जियो टैग गिरदावरी पर भी विरोध

जियो टैग गिरदावरी को लेकर पटवारी संघ ने अपनी पुरानी आपत्ति दोहराते हुए इसे अव्यावहारिक बताया। संघ का कहना है कि इस कार्य में मैदानी स्तर पर कई तरह की व्यवहारिक कठिनाइयां सामने आ रही हैं। संघ ने हाल ही में जियो टैग गिरदावरी के दौरान एक स्थानीय युवक की मौत का भी उल्लेख करते हुए घटना पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि ऐसी परिस्थितियों में पटवारियों को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जियो टैग गिरदावरी को लेकर पटवारियों पर कार्रवाई की गई तो प्रदेश का पटवारी संवर्ग सामूहिक रूप से बस्ता रखने जैसे कठोर कदम के लिए मजबूर हो सकता है।

बढ़ती जिम्मेदारियां, सुविधाएं वहीं की वहीं

पटवारी संघ का कहना है कि शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में पटवारी संवर्ग हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। तकनीकी और मैदानी दोनों स्तरों पर लगातार नई जिम्मेदारियां पटवारियों को सौंपी जा रही हैं। इसके बावजूद वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, कैडर रिव्यू, पदोन्नति और अन्य सेवा संबंधी समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। पटवारियों ने शासन से मांग की कि नई जिम्मेदारियां देने से पहले पुराने सेवा संबंधी मुद्दों का समाधान किया जाए और कार्य के अनुरूप वेतन एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। प्रदर्शन के दौरान संघ ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि 15 सूत्रीय मांगों पर समय रहते ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे और व्यापक किया जाएगा।

कीटनाशक का छिड़काव करने के बाद युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के बाद अस्वस्थ हुए एक युवक की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक कृष्णा पिता रूप सिंह चौहान ग्राम सेलवा थाना लालबर्रा निवासी बताये गये है। घटना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णा चौहान अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का काम करता था। परिवार में माता-पिता और तीन भाइयों में वह सबसे बड़ा था। बताया गया कि 16 सितंबर की सुबह करीब 7 बजे कृष्णा अपने खेत में फसल पर कीटनाशक दवा का छिड़काव करने गया था। करीब 10 बजे छिड़काव पूरा करने के बाद वह घर वापस लौटा। घर पहुंचने के कुछ देर बाद उसे उल्टियां होने लगीं और उसकी तबीयत बिगड़ गई।परिजनों ने तत्काल उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये थे। जहा उपचार के दौरान दोपहर करीब 2 बजे कृष्णा की मौत हो गई।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। मामले की आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना लालबर्रा को सूचना एवं प्रकरण भेजा गया है।

फर्जी अंकसूची से डाक विभाग में नौकरी हासिल करने वाले चार युवकों को तीन-तीन साल की सजा

बिहार और राजस्थान के आरोपियों पर कोर्ट का फैसला, प्रत्येक पर 11-11 हजार रुपये का अर्थदंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डाक विभाग में फर्जी अंकसूची के माध्यम से ग्रामीण डाक सेवक के पद पर नौकरी हासिल करने के मामले में अदालत ने बिहार और राजस्थान के चार युवकों को दोषी ठहराते हुए तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत द्वारा सुनाया गया।मामले में आरोपी चंदन कुमार पिता रामयतन सिंह 27 वर्ष ग्राम जूमरिया तहसील नदमा जिला पटना बिहार निवासी, रंजीत पारित पिता कैलाश पारित 24 वर्ष ग्राम सहसराव थाना भुसाव तहसील आनंद जिला सिवान बिहार निवासी, मनीष कुमार मीना पिता मंटूलाल मीना 28 वर्ष निवासी ग्राम गांवकियापुर तहसील करौली थाना कुंडगांव राजस्थान निवासी तथा शिव शंकर कुमार पिता भीम यादव को दोषी पाया गया है।

ग्रामीण डाक सेवक के 593 पदों के लिए निकली थी भर्ती

अभियोजन के अनुसार वर्ष 2022 में मध्य प्रदेश डाक परिमंडल के अंतर्गत बालाघाट डाक संभाग में ग्रामीण डाक सेवकों के कुल 593 पदों पर भर्ती के लिए विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन अधिसूचना जारी की गई थी। इस भर्ती प्रक्रिया में चंदन कुमार यादव, शिव शंकर कुमार, रंजीत पारित, मनीष कुमार मीना एवं रोहित कुमार यादव सहित अन्य अभ्यर्थियों ने ग्रामीण डाक सेवक शाखा डाकपाल (जीडीएस-बीपीएम) के पद के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था।आवेदन के बाद चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों की नियुक्ति से पूर्व आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गई और संबंधित आवेदकों को प्रावधिक नियोजन आदेश जारी किए गए।

चारों ने अलग-अलग डाकघरों में संभाला था पदभार

प्रावधिक नियोजन आदेश के बाद आरोपी चंदन कुमार ने 23 अगस्त 2022 को ग्रामीण डाक सेवक शाखा डाकपाल के रूप में अजगरा शाखा डाकघर बिरसा उप डाकघर में पदभार ग्रहण किया था।आरोपी शिव शंकर कुमार ने 26 अगस्त 2022 को अमेड़ा शाखा डाकघर लांजी उप डाकघर में शाखा डाकपाल के पद पर पदभार संभाला था।इसी प्रकार रंजीत पारित ने 29 अगस्त 2022 को अकोला शाखा डाकघर किरनापुर उप डाकघर में पदभार ग्रहण किया था। वहीं आरोपी मनीष कुमार मीना ने 23 अगस्त 2022 को छुई शाखा डाकघर कान्हीवाड़ा उप डाकघर में शाखा डाकपाल के पद पर कार्यभार संभाला था।

सत्यापन में सामने आई अंकसूची की हकीकत

नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान डाक अधीक्षक बालाघाट द्वारा संबंधित आवेदकों की कक्षा दसवीं की अंकसूचियों का सत्यापन संबंधित बोर्ड से कराया गया। इसके लिए बोर्ड को आधिकारिक पत्र भेजकर अंकसूचियों की सत्यता की जानकारी मांगी गई।संबंधित बोर्ड से प्राप्त सत्यापन रिपोर्ट में अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत कक्षा दसवीं की अंकसूचियों को फर्जी बताया गया। रिपोर्ट सामने आने के बाद डाक विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

डाक अधीक्षक की शिकायत पर दर्ज हुआ मामला

बोर्ड की सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर डाक अधीक्षक बालाघाट द्वारा मामले की शिकायत थाना कोतवाली बालाघाट में दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 468, 471 एवं 120-बी के तहत अपराध दर्ज किया।पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और आवश्यक साक्ष्य एकत्र करने के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। इसके बाद मामला सत्र न्यायालय में विचारण के लिए पहुंचा।

अभियोजन ने प्रस्तुत किए साक्ष्य

मामले की सुनवाई विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा आरोपियों के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध करने का प्रयास किया गया।अदालत के समक्ष डाक विभाग द्वारा कराए गए अंकसूची सत्यापन की रिपोर्ट सहित मामले से संबंधित साक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने मामले में उपलब्ध साक्ष्यों एवं परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद आरोपी चंदन कुमार, मनीष कुमार मीना, रंजीत पारित और शिव शंकर कुमार को दोषी पाया।

धारा 420 में तीन साल की सजा

अदालत ने चारों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया। इसके साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।वहीं भारतीय दंड संहिता की धारा 471 के तहत प्रत्येक आरोपी को एक-एक वर्ष के सश्रम कारावास तथा 1-1 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। इस प्रकार प्रत्येक आरोपी पर कुल 11 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

सरकारी पक्ष ने मजबूती से रखा मामला

इस मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक मदन मोहन द्विवेदी ने पैरवी की। अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय के समक्ष उपलब्ध साक्ष्यों और दस्तावेजों को प्रस्तुत करते हुए आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को सिद्ध किया गया, जिसके आधार पर न्यायालय ने चारों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सृष्टि के रचयिता एवं निर्माण-कला के आराध्य भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजन समारोह सर्व विश्वकर्मा समाज, बालाघाट के तत्वावधान में 17 सितंबर, गुरुवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से सहपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।कार्यक्रम का आयोजन सार्वजनिक श्री भगवान विश्वकर्मा मंदिर, आँवलाझरी (बालाघाट) में किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9:30 से 11 बजे तक भगवान श्री विश्वकर्मा का महाअभिषेक होगा। इसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक हवन एवं आरती का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 12 से 1 बजे तक भगवान को छप्पनभोग अर्पित किया जाएगा। दोपहर 1 बजे महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन होगा।आयोजकों ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह में समाज के सदस्यों के साथ ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। समारोह के अध्यक्ष गगन माहुले, सचिव चन्द्रकांत शेण्डे एवं कोषाध्यक्ष अमिताभ पारिवाल हैं। कार्यक्रम का आयोजन सर्व विश्वकर्मा समाज, बालाघाट द्वारा किया जा रहा है।

भरवेली पुलिस ने उपद्रव कर अशांति फैलाने वाले दो युवकों को पकड़ा

कटिंगटोला में गाली-गलौज कर मारपीट पर उतारू था युवक, भरवेली बस स्टैंड पर भी हंगामा, दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। क्षेत्र में अशांति फैलाने और उपद्रव की स्थिति निर्मित करने वाले दो युवकों के खिलाफ भरवेली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत इस्तगासा तैयार कर एसडीएम न्यायालय बालाघाट में पेश किया।

कटिंगटोला में गाली-गलौज कर रहा था युवक

भरवेली पुलिस को 16 सितंबर को ग्राम गश्त के दौरान सूचना मिली कि ग्राम कटिंगटोला में एक व्यक्ति उपद्रव कर अशांति फैला रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति की तस्दीक की।पुलिस के अनुसार मौके पर हेमंत उर्फ गोलू लोखंडे नामक व्यक्ति अपने विरुद्ध पुलिस में शिकायत किए जाने की बात को लेकर आसपास मौजूद आमजन एवं गांव की नशामुक्ति समिति से जुड़ी महिलाओं के साथ गाली-गलौज कर रहा था तथा मारपीट पर उतारू होकर जोर-जोर से चिल्ला रहा था। इससे मौके पर अशांति का माहौल बन गया।पुलिस और मौजूद लोगों ने युवक को समझाइश देने का प्रयास किया लेकिन वह शांत होने के बजाय और अधिक उत्तेजित होने लगा। पुलिस को आशंका थी कि उसके द्वारा कोई गंभीर घटना घटित की जा सकती है। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने हेमंत लोखंडे को तत्काल धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया।इसके बाद अनावेदक के विरुद्ध धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर एसडीएम न्यायालय बालाघाट में पेश किया गया।

भरवेली बस स्टैंड पर भी हंगामा

इसी दिन क्षेत्र भ्रमण एवं ग्राम गश्त के दौरान भरवेली पुलिस टीम ने बस स्टैंड स्थित मेन रोड पर एक अन्य युवक को जोर-जोर से चिल्लाते हुए पाया। पुलिस के अनुसार कुलदीप नामक युवक इस बात को लेकर हंगामा कर रहा था कि उसके द्वारा सट्टा खिलाए जाने की सूचना पुलिस को किसने दी। जिसके कारण पुलिस ने उसे पकड़ लिया।युवक के हंगामे के कारण बस स्टैंड और मुख्य मार्ग पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस एवं मौके पर मौजूद लोगों द्वारा उसे समझाइश देकर शांत कराने का प्रयास किया गया लेकिन वह समझाइश मानने के बजाय और अधिक उत्तेजित हो गया तथा मारपीट पर उतारू होने लगा।स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुलदीप मरकाम 23 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 02 मायल कॉलोनी भरवेली को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया।पुलिस ने उसके विरुद्ध भी धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर एसडीएम न्यायालय बालाघाट में पेश किया।

अशांति फैलाने वालों पर पुलिस की नजर

भरवेली पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव कर अशांति फैलाने अथवा किसी गंभीर घटना की स्थिति निर्मित करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की विवादित स्थिति उत्पन्न होने पर कानून हाथ में नहीं लेने की अपील की है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट